दैनिक
मिशन नेशनल न्यूज
TITLE CODE.: UTTHIN05386
हिन्दी अखबार
प्रसारित स्थान : उत्तराखण्ड ● प्रयागराज ● मथुरा ● बिजनौर ● सहारनपुर ● मुजफ्फरनगर ● मेरठ ● गाजियाबाद
वेबसाईट पढ़े: www.missionnationalnews.com
वर्ष-2 अंक-327 पृष्ठ-8 : मूल्य : 1 रुपये
हरिद्वार, रविवार, 24 नवंबर 2024

मुख्यमंत्री की रणनीति से खिला कमल

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

देहरादून गजब की बात है कि भाजपा के पूर्व शासनकाल मे युवा विधायक पुष्कर सिंह धामी को भाजपा के छत्रपों ने कभी मंत्री तक नहीं बनने दिया लेकिन जैसे ही उन्हें मुख्यमंत्री की कमान मिली तो उन्होंने पार्टी के बडे-बडे छत्रपों को अपनी दबंग और धाकड राजनीति का जो आईना दिखाना शुरू किया उससे उन राजनेताओं के सपने मौजूदा दौर मे चूर-चूर हो गये हैं जो एक लम्बे दशक से अपने आपको राज्य का मुख्यमंत्री बनने का सपना देखते आ रहे हैं। मंगलौर और बद्रीनाथ विधानसभा सीट पर भाजपा को मिली हार के बाद पार्टी के कुछ बडे नेताओं ने सियासत मे एक खतरनाक चौसर बिछाई थी कि किसी तरह से केदारनाथ मे कमल न खिल पाये और अगर ऐसा हुआ तो भाजपा हाईकमान के सामने मुख्यमंत्री का राजनीतिक वजूद तार-तार हो जायेगा और उसके बल पर वह अपनी शातिर राजनीतिक चालें चल देंगे? मुख्यमंत्री ने केदारनाथ मे जीत के लिए ऐसा चक्रव्यूह तैयार किया जिसमें कांग्रेस शुरूआती दौर मे ही फंसती हुई नजर आ गई थी और यह साफ झलक रहा था कि चुनाव मे कांग्रेस, भाजपा के सामने चारो खाने चित हो जायेगी। मुख्यमंत्री ने केदारनाथ चुनाव पर अपनी रडार लगाई और उनकी नजर पार्टी के कुछ जयचंदों पर भी टिकी रही जिससे कि वह भीतरघात का खेल न खेल पायें? केदारनाथ मे आज जब आकाश मे खिली खुली धूप में हर तरफ कमल खिलखिलाता हुआ नजर आया तो उससे साफ हो गया कि मुख्यमंत्री ने अपने आपको राजनीति का बडा चाणक्य साबित कर दिया और उसको लेकर अब राज्य मे यह बात भी उठने लगी है कि उत्तराखण्ड मे अब एक लम्बे अर्से तक मुख्यमंत्री का कोई विकल्प नहीं है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी जोखिम उठाने में हमेशा अपनी हिम्मत दिखाते रहे हैं और उन्होंने सबसे पहला जोखिम उस समय उठाया था जब विधानसभा चुनाव से मात्र कुछ माह पूर्व उन्हें राज्य का मुख्यमंत्री बनाकर भाजपा हाईकमान ने उन्हें राज्य मे पुनः सत्ता लाने का टास्क दिया था। आखिरी दौर मे सत्ता की वापसी कराना एक बडी चुनौती था लेकिन मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राजनीति का वो पैतरा इस्तेमाल किया जिसका भाजपा के बडे-बडे छत्रपों और कांग्रेसी नेताओं को इल्म नहीं था। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आम इंसान के दिलों को जीतने के लिए ऐसे-ऐसे रूप दिखाये जिसे देखकर आम इंसान मुख्यमंत्री की सादगी और उनके फ्लावर रूप को देखकर गदगद हो गया था और उसी के चलते आवाम ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व मे लडे गये चुनाव में उन पर अपना विश्वास दिखाया और राज्य के अन्दर वर्षों से सत्ता वापसी को लेकर चली आ रहे मिथक को तोड दिया था। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी पर देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह ने अभेद विश्वास दिखाया और राज्यहित के लिए उन्होंने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को बडी-बडी विकास योजनायें सौंपकर उन्हें राज्य में पॉवरफुल बनाने का जो दौर शुरू किया उससे राज्य की जनता डबल इंजन सरकार पर अभेद विश्वास दिखाने लगी।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राजनीति में चाणक्य नीति पर काम करना शुरू किया और उन्होंने अपने आपको हमेशा जनसेवक मानकर राज्य की जनता को अपना परिवार कहकर उनके दिलों में जो अपनी एक बडी घुसपैठ कर दी उससे वह राजनीति के बडे चाणक्य साबित होते चले गये। केदारनाथ उपचुनाव भाजपा की प्रतिष्ठा का सवाल बना हुआ था क्योंकि वहां देश के प्रधानमंत्री ने विकास की जो नई उडान भरी हुई है उस पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी पंख लगाते जा रहे हैं। चुनाव के आखिरी दौर मे मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने चुनाव को खुद अपने हाथों में लिया और उन्होंने वहां की जनता को साफ संदेश दिया कि शैलारानी रावत दीदी के सपनों को आशा दीदी साकार करेंगी। पार्टी के अन्दर कोई भी नाराज न रहे इसके लिए खुद मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मोर्चा संभाला और वह सबको साथ लेकर चलने की दिशा मे तेजी के साथ आगे बढते चले गये।

सीएम चंद्रबाबू बोले- अडाणी रिश्वत मामले से आंध्र बदनाम हुआ

हम जल्द एक्शन लेंगे; सरकार को लोगों के प्रति जवाबदेह होना चाहिए

अमरावती

भाजपा की सहयोगी पार्टी तेलगु देशम पार्टी के अध्यक्ष और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने अडाणी रिश्वत मामले पर प्रतिक्रिया दी है। नायडू ने विधानसभा में कहा कि अडाणी रिश्वत मामले से आंध्र प्रदेश बदनाम हुआ है। उन्होंने कहा कि अडाणी रिश्वत मामले की चार्जशीट हमारे पास पहुंची है। हम जल्द एक्शन लेंगे। सभी दस्तावेजों की जांच की जा रही है। सरकार को लोगों के प्रति जवाबदेह होना चाहिए। ऐसे अपराध तब तक दोहराए जाएंगे, जब तक ऐसे काम करने वालों को न्याय के कटघरे में नहीं लाया जाता। दरअसल, उद्योगपति गौतम अडाणी पर गुरुवार को अमेरिका में सोलर एनर्जी से जुड़ा कॉन्ट्रैक्ट हासिल करने के लिए रिश्वत देने और धोखाधड़ी करने के आरोप लगे हैं। न्यूयॉर्क की फेडरल कोर्ट में यह केस दर्ज हुआ था। आरोप है कि अडाणी 2021 में आंध्र के तत्कालीन सीएम जगनमोहन रेड्डी से मिले और राज्य सरकार 7 हजार मेगावाट बिजली खरीदने के लिए राजी हो गई।

एलन मस्क का दावा: भारत में नंबर 1 सोशल मीडिया ऐप बन चुका है एक्स

नई दिल्ली

टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क ने शुक्रवार को दावा किया कि उनका सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, एक्स, अब भारत में एप्पल के ऐप स्टोर पर सबसे लोकप्रिय न्यूज ऐप बन चुका है। मस्क ने डोजीडिजाइनर नामक अकाउंट की पोस्ट को रीपोस्ट करते हुए इस उपलब्धि की पुष्टि की। उन्होंने लिखा, एक्स अब भारत में न्यूज के लिए नंबर 1 है।हालांकि, मस्क के इस दावे के बावजूद, एक्स गूगल प्ले स्टोर पर न्यूज और मैगजीन श्रेणी के टॉप चार्ट में शामिल नहीं है। एक्स के यूजर्स की संख्या भारत में लगभग 25 मिलियन (2.50 करोड़) से अधिक है, जो इसे दुनियाभर में तीसरा सबसे बड़ा यूजरबेस बना देती है। यह प्लेटफॉर्म अमेरिका और यूरोप में भी तेजी से लोकप्रिय हो रहा है।

धामी ने आशा को पहनाया जीत का ताज

रूद्रप्रयाग केदारनाथ उपचुनाव को देश के प्रधानमंत्री की प्रतिष्ठा से जोडा जा रहा था और इसी के चलते मुख्यमंत्री ने केदारनाथ मे कमल खिलाने के लिए एक बडी रणनीति के तहत जीत का प्लान तैयार किया था और इस प्लान की भनक उन्होंने पार्टी के बडे-बडे छत्रपों को भी नहीं लगने दी और उसी के चलते वह खामोशी के साथ पार्टी प्रत्याशी को जीत का ताज पहनाने के लिए चुनाव के आखिरी दौर मे खुद केदारनाथ मे डेरा डालने के लिए आगे बढे और राजनीतिक पंडित भी मान गये थे कि मुख्यमंत्री ने जिस दिन से चुनावी मोर्चा खुद संभाला उसके बाद से ही वहां का चुनावी समीकरण बदलता चला गया। कांग्रेस मंगलौर और बद्रीनाथ उपचुनाव जीतने के बाद इस भ्रम मे लगी रही कि वह केदारनाथ मे भी कमल नहीं खिलने देगी लेकिन आवाम के दिलों पर राज करने वाले मुख्यमंत्री ने केदारनाथ उपचुनाव जीतने के लिए रात-दिन एक किया और उन्होंने कांग्रेस के गणित को तार-तार करने के लिए जिस इच्छाशक्ति से सबको साथ लेकर चुनाव लडा उसी का परिणाम रहा कि केदारनाथ में आशा की जीत के सारथी सीएम बने। केदारनाथ मे भाजपा को मिली जीत से उसे एक नई ऑक्सीजन मिली है तो वहीं कांग्रेस की जीत का सारा गणित निर्दलीय त्रिभुवन ने बिगाडकर कांग्रेस के सभी छत्रपों के माथे पर भविष्य की राजनीति को लेकर चिंता की लकीरें डाल दी हैं।

कांग्रेस पार्टी केदारनाथ में बदरीनाथ व मंगलौर उपचुनाव का इतिहास नहीं दोहरा सकी। पांच हजार से अधिक अंतर से भाजपा केदारनाथ उपचुनाव जीत गयी। बदरीनाथ व मंगलौर उपचुनाव की हार के बाद केदारनाथ की जीत भाजपा को संजीवनी भी दे गई। वहीं निर्दलीय त्रिभुवन ने लगभग 10 हजार मत बटोर शानदार मौजूदगी दर्ज कराई। केदारनाथ उपचुनाव में कुल 14 राउंड की गिनती के बाद भाजपा प्रत्याशी आशा नौटियाल ने हजार मतों से उपचुनाव जीता। कांग्रेस प्रत्याशी मनोज रावत की हार कांग्रेस के लिए बड़ा झटका मानी जा रही है। उपचुनाव में छह प्रत्याशी शिरकत कर रहे थे। आशा नौटियाल ने पहले राउंड से ही बढ़त बना ली थी। लगभग छह राउंड तक निर्दलीय चौहान भी मजबूती से वोट लेते दिखाई दिए। इसके बाद मुख्य मुकाबला भाजपा व कांग्रेस के बीच सिमट कर गया। इस उपचुनाव के परिणाम के बाद जहां सीएम धामी , संगठन अध्यक्ष महेंद्र भट्ट व अन्य नेताओं के नम्बर बढ़े वहीं कांग्रेस में एक बार फिर महाभारत होने की संभावना बढ़ गयी है।

दो उपचुनाव में हार के बाद केदारनाथ उपचुनाव सीएम धामी के साथ पीएम मोदी के लिए भी प्रतिष्ठा का चुनाव माना जा रहा था। सीएम धामी व संगठन की कई महीनों की मेहनत के बाद केदारनाथ उपचुनाव का परिणाम अनुकूल आया। सीएम धामी ने उपचुनाव से पहले केदारनाथ क्षेत्र के लिए करोड़ों की विकास घोषणाएं की थी। यही नहीं, पांच जनसभाओं के अलावा दो रैली के जरिये भाजपा के लिए वोट मांगे। हालांकि, भाजपा के पूर्व सीएम,कई मंत्री, विधायक व अन्य नेता भी केदारनाथ क्षेत्र में प्रचार करते देखे गए। मोदी की प्रतिष्ठा से जुड़े केदारनाथ धाम की यह जीत भाजपा कैम्प के लिए सुकून भरी मानी जा रही है। कांग्रेस नेता हरीश रावत व गणेश गोदियाल ने मनोज रावत को प्रत्याशी बनाने के लिए हाईकमान को विशेष रूप से समझाया था। हालांकि, करण माहरा की पसंद हरक सिंह रावत बताए जा रहे थे। लेकिन पूर्व विधायक मनोज रावत पर ही कांग्रेस ने दांव खेला। इस उपचुनाव में कांग्रेस के सभी दिग्गज गांव गांव घूमे। केदारनाथ धाम से जुड़े सवालों पर भाजपा को घेरा। सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग का आरोप भी चस्पा किया। नेता एकजुट भी दिखे। हार के बाद कांग्रेस खेमा निर्दलीय त्रिभुवन को भाजपा की जीत की मुख्य वजह करार दे रहा है।

संपादकीय

अमरीकी कठघरे में अडाणी

न्यूयॉर्क फेडरल कोर्ट ने भारत के शीर्षस्थ उद्योगपति गौतम अडाणी और 7 अन्य आरोपितों के खिलाफ गिरफ्तारी के वारंट जारी किए हैं। अमरीकी निवेशकों, एजेंसियों और बैंकों को गुमराह करने, बेईमानी करने, धोखा देने और भारत में करीब 2200 करोड़ रुपए की घूसखोरी को छिपाने सरीखे गंभीर आरोप अडाणी समूह पर हैं। हालांकि समूह ने आरोपों को गलत और बेबुनियाद करार दिया है, लेकिन यही पर्याप्त नहीं है। अमरीकी कानून और न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज के नियमानुसार ये बेहद गंभीर अपराध हैं। अडाणी समूह की कुछ कंपनियां न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज में भी सूचीबद्ध हैं। चूंकि सौर ऊर्जा के भारत सरकार के अनुबंध के लिए अडाणी समूह ने अमरीकी बाजार और बैंकों से करीब 25,000 करोड़ रुपए जुटाए थे। उसी में से 26.5 करोड़ डॉलर (करीब 2200 करोड़ रुपए) आंध्रप्रदेश, ओडिशा, तमिलनाडु, छत्तीसगढ़ और जम्मू-कश्मीर के अधिकारियों को कथित रूप से घूस दी गई, ताकि इन राज्य सरकारों से सौर ऊर्जा के अनुबंध हासिल किए जा सकें। रिश्वत और ठेकेदारी के इस खेल में अडाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड के साथ मॉरीशस की भी एक कंपनी थी, जिन्हें ह्यसोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडियाह्ल (सेकी) का 12 गीगावॉट अर्थात 12,000 मेगावॉट सौर ऊर्जा का ठेका मिला था। चूंकि ऊर्जा महंगी थी, लिहाजा राज्य सरकारें उसे खरीद नहीं पा रही थीं। सौदेबाजी के लिए घूस दी गई, यह आरोप है। समूह के अध्यक्ष गौतम अडाणी ने 2021 में आंध्रप्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री जगनमोहन रेड्डी से मुलाकात की थी और राज्य सरकार 7000 मेगावॉट बिजली खरीदने को राजी हुई थी। ओडिशा ने भी 500 मेगावॉट बिजली खरीदी थी। जिन सरकारों के साथ अडाणी समूह ने करार किए थे, वहां तब विपक्ष की सरकारें थीं। सिर्फ जम्मू-कश्मीर में राष्ट्रपति शासन था, लेकिन तब भी उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ही थे। बहरहाल अब अडाणी को अमरीकी अदालत के कठघरे में पहुंच कर अथवा अपने वकीलों के जरिए अपना पक्ष रखना होगा। अदालत से जमानत या मामला खत्म करने की गुहार लगानी होगी। यह ऐसी कोर्ट है, जिसमें निर्वाचित अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप को भी हाजिर होना पड़ा था। यदि अडाणी को फेडरल कोर्ट में राहत नहीं मिलती है, तो आरोपित वहां की सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दे सकते हैं। अलबत्ता कोर्ट के मुताबिक, अभी अडाणी और अन्य आरोपित ह्यदोषीह्ल नहीं हैं। अब मामला अमरीकी अदालत में है, लेकिन यह खबर सामने आते ही भारतीय शेयर बाजार और राजनीति में ह्याभूचालह्ल आ गया। एक ही दिन में निवेशकों के 5.35 लाख करोड़ रुपए डूब गए और अडाणी समूह को भी करीब 2.20 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। अमीरों की वैश्विक सूची में गौतम अडाणी 25वें स्थान तक लुढक गए। यह जनवरी, 2023 में हिंडनबर्ग रपट के बाद हुए घाटे से तिगुना नुकसान है। अडाणी समूह के लिए यह सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय झटका है कि केन्या ने 700 मिलियन डॉलर (करीब 6000 करोड़ रुपए) के ऊर्जा करार रद्द कर दिए। वहां के राष्ट्रपति विलियम रुतो ने नैरोबी एयरपोर्ट की लीज डील भी खारिज कर दी। अडाणी समूह को ऐसे और भी झटके लग सकते हैं। भारत में सियासत में उबाल यहां तक आया है कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गौतम अडाणी को तुरंत गिरफ्तार करने की मांग की है। यही नहीं, विपक्ष ने संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) गठित करने का भी आग्रह किया है। अब 25 नवंबर से संसद का शीतकालीन सत्र आरंभ हो रहा है, लिहाजा स्वाभाविक है कि विपक्ष इस मुद्दे पर शोर मचाएगा। सदन में हंगामा भी मच सकता है। बुनियादी तौर पर देखा जाए, तो अडाणी पर भारत में ही घूसखोरी के आरोप हैं, लिहाजा न्याय के लिए सरकार को हरेक कदम उठाने चाहिए। सवाल यह है कि राहुल गांधी ने इस मामले में भी अडाणी के साथ प्रधानमंत्री मोदी का भी नाम जोड़ दिया है। वह मोदी-अडाणी जोड़ी की राजनीति अक्सर करते रहे हैं। उन्होंने यहां तक भी दावा किया है कि प्रधानमंत्री अडाणी को गिरफ्तार नहीं करने देंगे, क्योंकि अंततः वह भी जेल जाएंगे। राहुल गांधी की यह राजनीति अनैतिक है। वह खुद जमानत पर हैं। वह देश की प्रतिष्ठा और छवि को भी कलंकित कर रहे हैं।

(चिंतन-मनन)

बद्धजीव का कर्मक्षेत्र

अर्जुन प्रकृति, पुरुष, क्षेत्र, क्षेत्रज्ञ, ज्ञान तथा ज्ञेय के विषय में जानने का इच्छुक था। जब उसने इनके विषय में पूछा तो कृष्ण ने कहा कि यह शरीर क्षेत्र कहलाता है और इस शरीर को जानने वाला क्षेत्रज्ञ है। यह शरीर बद्धजीव के लिए कर्म-क्षेत्र है। बद्धजीव इस संसार में बंधा हुआ है और वह भौतिक प्रकृति पर अपना प्रभुत्व प्राप्त करने का प्रयत्न करता है। इस प्रकार प्रकृति पर प्रभुत्व दिखाने की क्षमता के अनुसार उसे कर्म-क्षेत्र प्राप्त होता है। यह कर्म-क्षेत्र शरीर है। और यह शरीर क्या है? शरीर इन्द्रियों से बना हुआ है। बद्धजीव इन्द्रियतृप्ति चाहता है, और इन्द्रियतृप्ति को भोगने की क्षमता के अनुसार ही उसे शरीर या कर्म-क्षेत्र प्रदान किया जाता है। इसीलिए बद्धजीव के लिए शरीर क्षेत्र अथवा कर्मक्षेत्र कहलाता है।

जो व्यक्ति अपने को शरीर मानता है, वह क्षेत्रज्ञ कहलाता है। क्षेत्र तथा क्षेत्रज्ञ अथवा शरीर और शरीर के ज्ञाता (देही) का अन्तर समझ पाना कठिन नहीं है। कोई भी व्यक्ति सोच सकता है कि बाल्यकाल से वृद्धावस्था तक उसमें अनेक परिवर्तन होते रहते हैं, फिर भी वह व्यक्ति वही रहता है। इस प्रकार कर्म-क्षेत्र के ज्ञाता तथा वास्तविक कर्म-क्षेत्र में अन्तर है।

आलोचना पर दमनात्मक रवैया ठीक नहीं

गोधरा कांड और उसके बाद भडके दंगों ने भारत की राजनीति को हमेशा-हमेशा के लिए बदल दिया। इस मामले में अदालती कार्रवाई जून 2009 से, घटना के आठ साल बाद शुरू हुई। स्पेशल एसआईटी कोर्ट ने 1 मार्च, 2011 को 31 लोगों को दोषी ठहराया, जिनमें से 11 को मौत की सजा और 20 को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। अदालत ने इस मामले में 63 लोगों को बरी भी किया। एसआईटी कोर्ट ने उन आरोपों से सहमति जताई कि यह अनियोजित भीड़ द्वारा की गई घटना नहीं थी, बल्कि इसमें साजिश शामिल थी।

-योगेन्द्र योगी-

सत्तारूढ़ राजनीतिक दलों के नेताओं को आलोचना जरा भी बर्दाश्त नहीं है। मीडिया और सोशल मीडिया पर यदि सत्तारूढ़ दलों के नेताओं के खिलाफ कुछ लिखा या बोला जाता है, तो उन पर सरकारें दमनात्मक कार्रवाई करने पर उतारू हो जाती हैं। राजनीतिक दल चाहे राष्ट्रीय हो या क्षेत्रीय, किसी को आलोचना बर्दाश्त नहीं है। उनका निशाना विपक्ष और मीडिया रहता है। सत्तारूढ़ दलों को आलोचना तभी तक सुहाती है, जब वह विपक्षी दलों की हो। ऐसे में सच्चाई पर पर्दा डालने के लिए राजनीतिक दलों के नेता सरकारी मशीनरी का इस्तेमाल करने में कसर बाकी नहीं रखते। एक फिल्म साबरमती रिपोर्ट को लेकर भाजपा और केंद्र सरकार के मंत्री गदगद नजर आ रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ बीबीसी ने जब गोधरा कांड के बाद गुजरात में हुए दंगों को लेकर एक डॉक्यूमेंट्री बनाई तो न सिर्फ उसे प्रतिबंधित कर दिया गया, बल्कि आयकर विभाग ने बीबीसी पर छापे की कार्रवाई की। विक्रांत मैसी की ह्यदि साबरमती रिपोर्टह्ल को हरियाणा, छत्तीसगढ़ के साथ ही अब मध्य प्रदेश में भी टैक्स फ्री कर दिया गया है। इन तीनों राज्यों में भाजपा की सरकारें हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह की तारीफ के बाद राजनीतिक महकमों में भी इसकी चर्चा बढ़ गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा फिल्म को देखने के बाद इसकी सराहना की गई। विक्रांत मैसी की फिल्म दि साबरमती रिपोर्ट की केंद्रीय भूमिका वाली यह फिल्म 27 फरवरी, 2002 के गोधरा ट्रेन अग्निकांड पर आधारित है। गोधरा स्टेशन के पास खड़ी साबरमती एक्सप्रेस की बोगी नंबर एस-6 में आग लगा दी गई थी। अयोध्या से लौट रहे 59 हिंदू कारसेवक जिंदा जल गए थे। मरने वालों में 27 महिलाएं और 10 बच्चे भी शामिल थे। उसके बाद पूरे गुजरात में जो दंगा भडका, वह आजाद भारत के सबसे भयावह दंगों में से एक था। मोदी उस समय गुजरात के मुख्यमंत्री थे। अब दि साबरमती रिपोर्ट के जरिए बड़े पर्दे पर गोधरा कांड का खौफनाक मंजर दिखा है। पीएम मोदी के अलावा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह समेत तमाम मंत्रियों और बीजेपी नेताओं ने दि साबरमती रिपोर्ट की प्रशंसा की है। गोधरा में ट्रेन जलाए जाने की भयानक घटना का परिणाम पूरे राज्य में हिंसक दंगों की शक्ल में सामने आया। पूरा गुजरात जल उठा था। केंद्र सरकार ने 2005 में राज्यसभा को बताया था कि दंगों में 254 हिंदुओं और 790 मुसलमानों की जान गई थी। कुल 223 लोग लापता बताए गए थे। हजारों लोग बेघर भी हो गए थे। तत्कालीन मोदी सरकार ने एक जांच आयोग का गठन किया था। उस आयोग में जस्टिस जीटी नानावटी और जस्टिस केजी शाह शामिल थे। आयोग ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि मारे गए 59 लोगों में से अधिकतर कारसेवक थे। कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार ने जस्टिस यूसी बनर्जी की अध्यक्षता में एक अलग जांच आयोग का गठन किया। इस आयोग ने मार्च 2006 में सौंपी अपनी रिपोर्ट में इस घटना को एक दुर्घटना बताया। सुप्रीम कोर्ट ने रिपोर्ट को असंवैधानिक और अमान्य करार देते हुए खारिज कर दिया। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने एक विशेष जांच दल का गठन किया। गोधरा कांड और उसके बाद भडके दंगों ने भारत की राजनीति को हमेशा-हमेशा के लिए बदल दिया। इस मामले में अदालती कार्रवाई जून 2009 से, घटना के आठ साल बाद शुरू हुई। स्पेशल एसआईटी कोर्ट ने 1 मार्च, 2011 को 31 लोगों को दोषी ठहराया, जिनमें से 11 को मौत की सजा और 20 को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। अदालत ने इस मामले में 63 लोगों को बरी भी किया। एसआईटी कोर्ट ने उन आरोपों से सहमति जताई कि यह अनियोजित भीड़ द्वारा की गई घटना नहीं थी, बल्कि इसमें साजिश शामिल थी। 31 दोषियों को भारतीय दंड संहिता की आपराधिक साजिश, हत्या और हत्या के प्रयास से संबंधित धाराओं के तहत दोषी ठहराया गया था। गुजरात सरकार ने बाद में आरोपियों को बरी किए जाने पर सवाल उठाए। जिन्हें दोषी ठहराया गया, उन्होंने भी गुजरात हाई कोर्ट में अपील की। हाई कोर्ट ने मामले में कुल 31 दोषियों को दोषी ठहराया था और 11 दोषियों की मौत की सजा को आजीवन कारावास में बदल दिया था। अब मामला सुप्रीम कोर्ट के सामने है। गुजरात सरकार ने 11 दोषियों की मौत की सजा को आजीवन कारावास में बदलने के खिलाफ अपील की है, कई दोषियों ने मामले में उनकी दोषसिद्धि को बरकरार रखने के उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती दी। केंद्र सरकार और भाजपा जहां गोधराकांड पर बनी फिल्म को सच सामने लाने वाला बताते हुए तारीफ कर रही हैं, वहीं वर्ष 2023 में गुजरात दंगों पर बीबीसी के बनाए वृत्त चित्र को न सिर्फ प्रतिबंधित कर दिया गया था, बल्कि आयकर विभाग ने बीबीसी के परिसरों में छापे की कार्रवाई की थी। बीबीसी डॉक्यूमेंट्री ह्यइंडिया दि मोदी क्वेश्चनह्ल दो भागों वाली एक श्रृंखला थी। यह जनवरी में यूके में प्रसारित हुई थी। इसमें बताया गया कि 2014 में मोदी के निर्वाचित होने के बाद से, उनकी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने हिंदू-केंद्रित नीतियों को अपनाया है, जिन पर दक्षिणपंथी धार्मिक राष्ट्रवादी एजेंडे के तहत भारत के 200 मिलियन मुसलमानों को निशाना बनाने और उनके साथ भेदभाव करने का आरोप लगाया गया है, जो भारत को इसकी धर्मनिरपेक्ष नींव से दूर ले जा रहा है। मोदी सरकार की ओर से इस मामले में त्वरित और स्पष्ट प्रतिक्रिया आई। विदेश मंत्रालय की साप्ताहिक प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रवक्ता ने कहा कि इस डॉक्यूमेंट्री में पूर्वाग्रह और निष्पक्षता की कमी तथा औपनिवेशिक मानसिकता स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है। बीबीसी पर सरकार विरोधी एजेंडा चलाने का आरोप लगाया गया। इसके बाद आयकर विभाग के एक दर्जन से ज्यादा अधिकारियों ने बीबीसी के मुंबई और नई दिल्ली स्थित दफ्तरों पर छापा मारा। इसे उन्होंने सर्वेक्षण बताया। कर चोरी की जांच के तहत फोन और लैपटॉप जब्त कर लिए गए और दफ्तरों को सील कर दिया। इससे जाहिर है कि सत्तारूढ़ दलों के नेताओं को सिर्फ मनमाफिक एजेंडे वाले कार्यक्रम ही सुहाते हैं।

इसमें कोई भी राजनीतिक दल पीछे नहीं है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर जब कभी विपक्षी दलों के खिलाफ हिंसा करवाने के आरोप लगे, तब इसे भाजपा और मीडिया की साजिश करार दिया गया। यही हाल दूसरे राज्यों की क्षेत्रीय दलों की सरकारों का है। विपक्षी दल और मीडिया जब कभी सत्तारूढ़ दलों के खिलाफ कोई खुलासा करते हैं, तब उन्होंने प्रताडऩा का सामना करना पड़ता है। इसका प्रमाण यह है कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का एक कार्टून बनाने पर कार्टूनिस्ट को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था। तमिलनाडु में तत्कालीन मुख्यमंत्री जे जयललिता ने राज्य विधानसभा से 43 विपक्षी सदस्यों को निष्कासित कर दिया और उन्हें कुछ समय के लिए जेल में डाल दिया। जब अंग्रेजी के एक अखबार ने उनके कार्यों की आलोचना करते हुए दो लेख और एक संपादकीय चलाया, तो जयललिता ने जवाब में समाचार पत्र के खिलाफ 17 अलग-अलग आपराधिक मानहानि के मामले दर्ज कराए। जाहिर है कि राजनीतिक दलों के नेताओं के कारनामे उजागर करने पर कानून की चाबुक चलाने में कोई भी पीछे नहीं है। सच्चाई की तलाश में किए गए ऐसे प्रयासों पर नेताओं की टेढ़ी नजर रहती है।

(स्वतंत्र लेखक)

बहुत गुणकारी है शहद, जानिए इससे होने वाले 6 फायदों के बारे में

सेहत से लेकर खूबसूरती तक शहद की अहम भूमिका होती है। जहां शहद का प्रयोग त्वचा के लिए बहुत फायदेमंद होता है, तो वहीं सेहत के लिए भी शहद बहुत गुणकारी है। शहद के गुण जहां आपको स्वस्थ रख सकते हैं, तो खूबसूरती बनाए रखने में भी यह मददगार है। साथ ही कहा जाता है कि शहद जितना पुराना होता है, उतना ही इसके गुणों में इजाफा होता है। तो आइए जाने शहद से होने वाले 6 फायदों के बारे में?

शहद से होने वाले फायदे :

शहद खांसी में फायदेमंद होता है। यदि किसी लंबे समय से खांसी बनी हुई है तो शहद का सेवन खांसी से राहत दिला सकता है।

वजन कम करने में फायदेमंद :

यदि कोई अपना वजन कम करना चाहता है तो रोज सुबह खाली पेट गर्म पानी में शहद और नींबू डालकर पीने से वजन कम करने में आसानी होती है चेहरे में ग्लो के लिए शहद फायदेमंद होता है। यदि आप शहद का रोज सेवन करती हैं तो यह आपकी त्वचा में नेचुरल ग्लो लाने में मदद करता है। यदि आपको छाले हो गए हैं, तो शहद में चुटकीभर हल्दी का पाउडर मिलाकर छालों में लगाने से फायदा मिलता है।

शहद को दूध के साथ पीने से वजन बढ़ाने में आसानी होती है

शहद चोट को ठीक करने में मदद करता है। इसे किसी भी तरह की चोट या जले पर लगाने से जख्म जल्दी ठीक हो जाते

भारत में एकात्म मानववाद के सिद्धांत को अपनाकर हो आर्थिक विकास

-प्रहलाद सबनानी-

भारतीय संस्कृति के अनुसार ही भारतीय आर्थिक दर्शन में भी सृष्टि की समस्त इकाईयों, अर्थात व्यक्ति, परिवार, समाज, राष्ट्र एवं समष्टि को एक माला की कड़ी के रूप में देखा गया है। एकता की इस कड़ी को ही पंडित दीनदयाल जी उपाध्याय ने ह्यएकात्म मानववादह्ल बताया है। एकात्म मानववाद वैदिक काल से चले आ रहे सनातन प्रवाह का ही युगानुरूप प्रकटीकरण है। सनातन हिंदू दर्शन आत्मवादी है। आत्मा ही परम चेतन का अंश है। पंडित दीनदयाल जी उपाध्याय ने समाज और राष्ट्र में भी चित्त, आत्मा, मन, बुद्धि एवं शरीर आदि का समुच्चय देखा है। अतः इस एकात्म मानववादी दर्शन के उतने ही आयाम एवं विस्तार है, जितनी मनुष्य की आवश्यकताएं हैं। इन विभिन्न आवश्यकताओं का केंद्र बिंदु अर्थ को ही माना गया है। कौटिल्य ने अर्थशास्त्र की परिभाषा में लिखा है कि अर्थशास्त्र का मुख्य अभिप्राय, अप्राप्ति की प्राप्ति; प्राप्ति का संरक्षण तथा संरक्षित का उपभोग है। एकात्म मानववाद में भी आर्थिक व्यवहार उक्त आधारों पर ही टिके होते हैं। इस प्रकार, अर्थशास्त्र की दिशा स्वतः ही विकासवादी हो जाती है। भारत के नागरिक पिछले लम्बे समय से पश्चिमी शिक्षा व्यवस्था में पले बढ़े हैं अतः वे भारत की पौराणिक एवं वैदिक ज्ञान परम्परा से विमुख हो गए हैं। इसी प्रकार, प्राचीन भारतीय अर्थशास्त्र एवं आर्थिक चिंतन से भी हम भारतीय इतने अधिक दूर हो गए हैं कि प्राचीन भारतीय अर्थशास्त्र को सिर्फ उक्ति एवं सिद्धांत मानने के साथ साथ अव्यवहारिक भी मानने लगे हैं। जबकि, वैदिक साहित्य में धन के 22 से अधिक प्रकारों की स्पष्ट व्याख्या की गई है, जिसमें शेयर से लेकर आय एवं मूलधन भी सम्मिलित है। प्राचीन भारत के आर्थिक चिंतन को आज यदि लागू किया जाता है तो केवल भारत ही नहीं बल्कि सम्पूर्ण मानवता का कल्याण होगा, क्योंकि हिंदू अर्थशास्त्र एकात्म मानववाद पर आधारित है, जिसमें व्यक्ति अपने लिए नहीं, वरन समष्टि के लिए जीता है। इसे निम्नलिखित सूत्र के माध्यम से अधिक स्पष्ट किया जा सकता हैं -

हिंदू अर्थशास्त्र = व्यक्ति ७ परमार्थ (एकात्म मानववाद एवं त्याग) पश्चिमी अर्थशास्त्र = व्यक्ति ७ स्वार्थ (आत्म केंद्रित एवं लाभ)

एकात्म मानववादी अर्थशास्त्र में व्यक्ति अपने एवं अपनों के स्थान पर समष्टि तथा चराचर और परमार्थ के लिए जीता है। जिसमें स्वयं के लिए मुनाफा एवं लाभ के स्थान पर दूसरों की चिंता मुख्य होती है। परंतु, इसके ठीक विपरीत पश्चिम का अर्थशास्त्र आत्मकेंद्रित व्यवहार एवं स्वार्थ पर खड़ा है। पश्चिम के विकासवादी दर्शन का केंद्र मुनाफा, स्वार्थ एवं लाभ है। परंतु, हिंदू आर्थिक चिंतन के आधार पर खड़े एकात्म मानववाद का आधार अथवा केंद्र परमार्थ है। इसलिए एकात्म मानववादी आर्थिक विकास में विकास केवल अर्थ के लिए नहीं वरन परमार्थ के लिए है। हिंदू आर्थिक दर्शन परम्परा में विकास की अवधारणा को समग्रता में व्यक्त किया गया है। यह विकास त्रिगुण आधारित है। इस त्रिगुण में - सत, रज एवं तम सम्मिलित है। प्राचीन भारतीय चिंतन में सत्तवादी विकास श्रेष्ठ माना गया है। इस सत्तवादी विकास के तत्व हैं ज्ञान, तपस्या, सदकर्म, प्रेम एवं समत्वभाव तथा इसकी उपस्थिति सतयुग में मानी गई है। विकास का दूसरा स्वरूप रजस को माना गया। इस रजसवादी विकास के तत्व हैं अहंबुद्धि, प्रतिष्ठा, मानबढ़ाई, लौकिक, पारलौकिक सुखा मत्सर, दम्भ एवं लोभ तथा इसकी उपस्थिति त्रेतायुग में मानी गई है। इसे मानवीय और मध्यम माना गया है। इसी प्रकार, विकास का तीसरा स्वरूप तमस को माना गया है। इस तमसवादी विकास के तत्व हैं असत्य, माया, कपट, आलस्य, निंदा, हिंसा, विषाद, शोक, मोह, भय तथा इसकी उपस्थिति कलयुग में मानी गई है। इस प्रकार सत, रज एवं तम गुणों के आधार पर उक्त विकास के तीन रूपों के साथ एक मिश्रित विकास का भी मॉडल माना गया है, जिसमें रजस एवं तमस गुण मिले होते हैं और इस मॉडल की उपस्थिति द्वापर युग में मानी गई है। इस प्रकार भारतीय चिंतन परम्परा में विकास के उक्त चार प्रारूप माने गए हैं। इन चारों प्रारूपों का उपयोग चार युगों सतयुग, त्रेतायुग, द्वापरयुग एवं कलियुग में होता पाया गया है। इसमें सबसे उत्तम सतयुगी विकास प्रारूप को माना गया है तथा सबसे अधम कलियुगी विकास प्रारूप को माना गया है। भारत में, वर्तमान खंडकाल में त्रेतायुग के रामराज्य को भी बहुत अच्छा माना गया है एवं इसके स्थापना की कल्पना की जाती रही है। पंडित दीनदयाल जी उपाध्याय ने महात्मा गांधी जी के ट्रस्टी शिप एवं हिंद स्वराज्य के विवेचन को भी अपने विमर्श में स्थान दिया है। इस प्रकार भारतीय चिंतन परम्परा का आदर्श रामराज्य है, इसमें भरत जैसे राजा एवं जनक जैसे राजा तपस्वी के रूप में राज्य करते थे। स्वयं श्रीराम धर्म की मयार्दा को अपने लिए भी लागू करते थे एवं धर्म की मयार्दा का कभी भी उल्लंघन नहीं करते थे। सदैव प्रजा एवं प्रकृति की रक्षा एवं संवर्धन करते रहते हैं। यह एक ऐसा विकास का प्रारूप है जो आज भी आदर्श है। रामराज्य की अवधारणा भी एकात्म मानववाद के आधारों पर खड़ी थी। यह शासन तथा विकास एवं व्यवस्था में सब की भागीदारी तथा सब के लिए व्यवस्था थी, जो प्रकृति आधारित विकास पर बल देती थी। भारत में सबसे छोटी इकाई व्यक्ति पर बल दिया गया है और उसका संगठन किया गया है। भारत में व्यक्ति के स्वरूप को जिस प्रकार संगठित और एकात्म किया गया वैसा पश्चिम में नहीं हो सका है। पश्चिम में केवल भौतिक प्रगति पर ही बल दिया गया है। पूरे विश्व में आज सर्वाधिक विकसित राष्ट्र अमेरिका को माना जाता है। अमेरिका में नागरिकों की भौतिक प्रगति तो बहुत हो गई है, परंतु अमेरिका के नागरिकों में सुख, संतोष और समाधान का पूर्णतया अभाव है। अमेरिका में व्यक्ति के जीवन में परस्पर विरोध, असमाधान, असंतोष, सर्वाधिक अपराध और आत्महत्याएं बहुत बड़ी मात्रा में व्याप्त हैं। अमेरिकी नागरिकों में तीव्र रक्तचाप, हृदय रोग एवं अपराध की प्रवृत्ति बहुत अधिक मात्रा में पाई जा रही है। पूरे विश्व को प्रभावित करने की क्षमता रखने वाला अमेरिका अपने नागरिकों के लिए भौतिक समाधान से आगे बढ़कर मानसिक समाधान प्राप्त नहीं कर सका है। इस धरा पर जन्म लेने के बाद प्रत्येक व्यक्ति का अंतिम लक्ष्य आखिर है क्या? सम्भवतः सुख जो चिरंतन एवं घनीभूत हो। इतनी भौतिक प्रगति करने के बाद भी अमेरिका एवं यूरोपीय देशों के नागरिकों में समाधान व सुख का अभाव है। ईसा ने कहा था कि ह्यसम्पूर्ण संसार का साम्राज्य भी प्राप्त कर लिया और यदि आत्मा का सुख खो दिया तो उससे क्या लाभ?

भारत में छोटी से छोटी इकाई व्यक्ति संगठित और एकात्म है एवं व्यक्ति को खंडो में विभक्त समझने की बुद्धिमता प्रदर्शित नहीं की गई है। परंतु, अमेरिका के एक मनोवैज्ञानिक ने वर्णन किया है कि ह्यसड़कों पर एक ऐसी बड़ी भीड़ हमेशा लगी रहती है जो आत्मविहीन, मानसिक दृष्टि से अस्वस्थ, एक दूसरे से अपरिचित और निःसंग स्थिति में है। उनका अपने ही साथ समन्वय नहीं तो दुनिया के साथ क्या होगा? व्यक्ति का समाज के साथ समन्वय नहीं। व्यक्ति भी संगठित और एकात्म इकाई नहीं। केवल भौतिक स्तर पर विचार करने के कारण वहां व्यक्ति को भौतिक एवं आर्थिक प्राणी माना गया है। यदि भौतिक आर्थिक उत्कर्ष मानव को मिले तो उससे सुख की प्राप्ति होगी, यह माना गया। किंतु भौतिक आर्थिक उत्कर्ष की चरम सीमा होने पर भी सुख का अभाव है और इसका कारण यही है कि वहां खंड खंड में विचार करने की प्रणाली है, जिसमें व्यक्ति को केवल भौतिक आर्थिक प्राणी मान लिया गया है और व्यक्ति के सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर संगठित एवं एकात्म रूप में विचार नहीं किया गया है। भारत के प्राचीन ग्रंथों में यह माना गया है कि मनुष्य एक आर्थिक प्राणी भी है एवं ह्यआहार, निद्रा, भय, मैथुन, आर्थिक आवश्यकताओं, आदिह्ल की तृप्ति की बात भारत में भी कही गई है। इन जरूरतों की पूर्ति होना चाहिए, इस तथ्य को भी स्वीकार किया गया है। किंतु भारत में मनुष्य को आर्थिक प्राणी से कुछ ऊपर भी माना गया है। मनुष्य आर्थिक प्राणी के साथ साथ वह एक शरीरधारी, मनोवैज्ञानिक, राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक प्राणी भी है। भारतीय मनुष्य के व्यक्तित्व के अनेकानेक पहलू है। अतः यदि सम्पूर्ण व्यक्तित्व के सभी पहलुओं का संगठित और एकात्म रूप से विचार नहीं हुआ तो उसको सुख समाधान की अवस्था प्राप्त नहीं हो सकती। इसलिए भारत में इस दृष्टि से संगठित एवं एकात्म स्वरूप का विचार हुआ है। मनुष्य की आर्थिक एवं भौतिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर यह कहा गया है कि इन वासनाओं की तृप्ति होनी चाहिए लेकिन साथ ही यह भी कहा गया है

जवानों के लिए आवास निर्माण का पुलिस कप्तान ने किया शिलान्यास

मिशन नेशनल न्यूज / शादाब अली

बहादराबाद हरिद्वार में जवानों को आ रही आवासीय दिक्कतों के निदान की तरफ पुलिस कप्तान प्रमेन्द्र डोबाल द्वारा सकारात्मक कदम बढ़ाते हुए आज शनिवार को बहादराबाद थाने में जवानों व उनकी परिवारों के रहने हेतु 2 कमरों के फ्लैट के निर्माण का शिलान्यास किया पुलिस कप्तान प्रमेन्द्र द्वारा अपनी टीम के साथ आज बहादराबाद में चयनित भूमि का विधि विधान से पूजन कर शिलान्यास कार्य की प्रथम ईंट रखी गौरतलब है कि जवानों व उनके परिवार के लिए बहादराबाद थाने में बनाए रहे आवास निर्माण भूमि कुल 12 फ्लैट बनाए जाएंगे जिसकी लागत 04 करोड़ 36 लाख रुपये है। इस निर्माण कार्य के लिए 01 वर्ष की समय सीमा तय की गई है।

इस दौरान एसपी सिटी स्वतंत्र कुमार सिंह, एसपी क्राइम/ट्रैफिक पंकज गैरोला, एएसपी / सीओ सदर जितेंद्र मेहरा ,सीओ ज्वालापुर शांतनु पराशर, प्रभारी सीओ सिटी राकेश रावत, थानाध्यक्ष बहादराबाद नरेश राठौर एवं अन्य पुलिस कर्मी मौजूद रहे।

इंस्टाग्राम पर अश्लील हरकत करते हुए वीडियो अपलोड करने वाले युवक और युवती पर पौड़ी पुलिस ने की कार्यवाही

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

पौड़ी लक्ष्मणझूला के जानकी सेतु पुल पर एक युवक युवती का अश्लील वीडियो इंस्टाग्राम सोशल साइट्स पर वायरल हो रहा था। उक्त वायरल वीडियो का संज्ञान लेते हुए लक्ष्मणझूला पुलिस द्वारा तत्काल मुकदमा दर्ज किया गया था।

उक्त मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए इंस्टाग्राम आईडी के आधार पर वीडियो वायरल करने वाले दोनों अभियुक्तों सचिन जैसवाल (उम्र 22) पुत्र पलटू राम जैसवाल, निवासी- रहमतपुर पिरान कलियर, जनपद- हरिद्वार, व प्रीति जैसवाल (उम्र 22) पत्नी सचिन जैसवाल, निवासी- रहमतपुर पिरान कलियर, जनपद- हरिद्वार को तस्दीक कर मोबाइल फोन के माध्यम से आज शनिवार को थाना लक्ष्मणझूला पर तलब किया गया। पुलिस द्वारा दोनों अभियुक्तों से पूछताछ करते हुए धारा- 35 (3) बीएनएसएस का नोटिस तामील कराया गया तथा हिदायत दी गई कि न्यायालय व पुलिस के तलब किए जाने पर निर्धारित तिथि पर न्यायालय में उपस्थित होना सुनिश्चित करेंगे। उक्त प्रकरण में विवेचनात्मक कार्यवाही जारी है।

डेढ किलो चरस के साथ 2 तस्कर गिरफ्तार

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

उत्तरकाशी नशे के खिलाफ अभियान में उत्तरकाशी पुलिस को डेढ़ किलो चरस के साथ दो तस्करो को पकड़ने में सफलता हाथ लगी है।

वर्ष 2025 तक उत्तरकाशी को ड्रग्स फ्री बनाने को उत्तरकाशी कोतवाली प्रभारी अमरजीत सिंह व उनकी टीम द्वारा की जा रही कार्यवाही में कल शुक्रवार को शाम उत्तरकाशी, तेखला पुल के पास से दो अभियुक्त 1-अनिल सिंह(36) पुत्र देव चन्द निवासी-ग्राम स्वावा पोस्ट- सोरा, भटवाडी उत्तरकाशी व 2-रमेश राणा(40) पुत्र विजेन्द्र सिंह राणा निवासी बयाणा, पोस्ट मनेरी उत्तरकाशी को क्रमशः 733 ग्राम तथा 775 ग्राम कुल 1 किलो 508 ग्राम अवैध चरस के साथ गिरफ्तार किया गया है। अभियुक्तो के पास से बरामद चरस की कीमत कुल 3 लाख रुपये आंकी गयी है।

दोनो अभियुक्तों के खिलाफ पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20 में मुकदमा दर्ज किया है। अभियुक्तों को न्यायालय के समक्ष पेश कर जेल भेज दिया गया है। अभियुक्तों के आपराधिक इतिहास की जानकारी जुटाई जा रही है।

ऋषिकेश स्थित नेचुरल फाइबर आधारित अग्रणी इंडस्ट्री में मुख्य विकास अधिकारी हरिद्वार का भ्रमण

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) महोदया द्वारा ऋषिकेश में स्थित नेचुरल फाइबर आधारित अग्रणी इंडस्ट्री का भ्रमण किया गया। इस भ्रमण में सीडीओ महोदया के साथ जिला परियोजना प्रबंधक, ग्रामोत्थान परियोजना, और सहायक परियोजना निदेशक/डिस्ट्रिक्ट मिशन मैनेजर (अढअ/उटट) एनआरएलएम ने भी भाग लिया। इस औद्योगिक इकाई का दौरा प्राकृतिक रेशे आधारित उत्पादों की उत्पादन प्रक्रिया, मार्केटिंग रणनीतियों, और नवीनतम तकनीकों का अध्ययन करने के उद्देश्य से किया गया।

प्राकृतिक रेशों पर आधारित उत्पादन प्रक्रिया:-

इस इकाई में विभिन्न प्रकार के प्राकृतिक रेशों जैसे भीमल, भांग, और पाइन (चीड़) का उपयोग कर उत्पादों का निर्माण किया जा रहा है। इन उत्पादों को स्थानीय, राज्यस्तरीय, राष्ट्रीय, और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में विपणन किया जा रहा है। इकाई से जुड़ी लगभग 3500 महिलाएं इन उत्पादों के निर्माण और विपणन के माध्यम से स्वरोजगार प्राप्त कर रही हैं। महिलाओं के इस आर्थिक सशक्तिकरण ने क्षेत्र में सामाजिक और आर्थिक विकास को गति प्रदान की है।

भ्रमण का उद्देश्य:-

नवीनतम तकनीकों का अध्ययन:-

इस इकाई द्वारा प्रयोग की जा रही आधुनिक तकनीकों का अध्ययन किया गया, जिससे उत्पादों की गुणवत्ता और उत्पादन क्षमता में वृद्धि होती है। सीडीओ महोदया ने उत्पादन में उपयोग की जाने वाली मशीनों और उपकरणों का निरीक्षण किया।

मार्केटिंग रणनीतियों का विश्लेषण:-

इस इकाई द्वारा अपनाई गई मार्केटिंग रणनीतियों का गहन अध्ययन किया गया। स्थानीय और अंतर्राष्ट्रीय बाजार में उत्पादों की मांग और बिक्री को बढ़ाने के लिए उनकी कार्यप्रणाली को समझा गया।

ग्रामोत्थान परियोजना ₹रीप₹ और वरफछट से जुड़ाव:-

भ्रमण का मुख्य उद्देश्य हरिद्वार जनपद में ग्रामोत्थान परियोजना ₹रीप₹ और वरफछट के अंतर्गत जुट या अन्य प्राकृतिक रेशों पर आधारित महिलाओं के उत्पादों को इस इकाई की तकनीकों और रणनीतियों के साथ जोड़ना था। इस प्रक्रिया से हरिद्वार की महिलाओं द्वारा निर्मित उत्पादों की गुणवत्ता और विपणन क्षमता में वृद्धि की संभावना है।

महिलाओं के लिए रोजगार के अवसर:-

इस भ्रमण ने यह भी दिखाया कि प्राकृतिक रेशे आधारित उत्पादों के माध्यम से अधिक महिलाओं को रोजगार के अवसर प्रदान किए जा सकते हैं। तकनीक और रणनीति के विस्तार से हरिद्वार जनपद की महिलाओं के उत्पादों को अधिक प्रतिस्पर्धी बनाया जा सकता है।

अध्ययन के निष्कर्ष:-

प्राकृतिक रेशों जैसे भीमल, भांग, और पाइन (चीड़) का उपयोग कर तैयार उत्पादों में उच्च गुणवत्ता और नवीनता देखी गई।

इकाई द्वारा अपनाई गई मार्केटिंग रणनीतियों ने उत्पादों की बिक्री को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ावा दिया है।

उत्पादन प्रक्रिया में उपयोग की जाने वाली मशीनरी और तकनीकें आधुनिक और उन्नत हैं, जो उत्पादन क्षमता बढ़ाने में सहायक हैं।

भविष्य की कार्ययोजना:-

तकनीक का विस्तार:-

हरिद्वार में कार्यरत महिलाओं को इस इकाई द्वारा उपयोग की जा रही आधुनिक तकनीकों से जोड़ने की योजना बनाई गई है। इससे उनके उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार होगा।

प्रशिक्षण कार्यक्रम:-

महिलाओं को इन तकनीकों और उपकरणों का उपयोग सिखाने के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

विपणन का सुदृढ़ीकरण:-

उत्पादों के लिए बेहतर बाजार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर मार्केटिंग चैनलों को मजबूत किया जाएगा।

महिला सशक्तिकरण:-

इस भ्रमण से मिली जानकारियों का उपयोग कर हरिद्वार जिले की अधिक महिलाओं को इस क्षेत्र में स्वरोजगार से जोड़ा जाएगा।

मुख्य विकास अधिकारी महोदया ने इस भ्रमण को अत्यधिक लाभकारी बताते हुए निर्देश दिया कि ग्रामोत्थान परियोजना के तहत महिलाओं के उत्पादों को इस इकाई की तकनीकों से जोड़ने की प्रक्रिया को शीघ्र प्रारंभ किया जाए। उन्होंने कहा कि हरिद्वार में इस तरह के प्रयास महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और जिले के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

हरिद्वार में ₹वे साइड अमेनिटीज₹ के प्रस्ताव पर समीक्षा बैठक आयोजित

हरिद्वार, हरिद्वार जिला मुख्यालय के विकास भवन में मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) महोदया की अध्यक्षता में ₹वे साइड अमेनिटीज₹ स्थापित करने हेतु एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में सीडीओ महोदया के साथ परियोजना निदेशक (ढऊ-उफ़्ऊ) और जिला परियोजना प्रबंधक (उट्ट) ग्रामोत्थान परियोजना ने भाग लिया।

बैठक का मुख्य उद्देश्य वे साइड अमेनिटीज की स्थापना से संबंधित प्रस्तावों की समीक्षा करना और परियोजना को शीघ्रता से क्रियान्वित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान करना था। इस अवसर पर जिला परियोजना प्रबंधक, ग्रामोत्थान परियोजना ने प्रस्ताव का विस्तृत प्रस्तुतिकरण प्रस्तुत किया। प्रस्तुतीकरण के दौरान सीडीओ महोदया ने परियोजना को तीव्र गति से लागू करने पर जोर दिया। उन्होंने निर्देश दिए कि परियोजना के लिए सर्वप्रथम भूमि ट्रांसफर की प्रक्रिया को शीघ्र पूरा किया जाए। इसके लिए संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए आवश्यक कार्यवाही प्रारंभ करने को कहा गया। उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि सभी प्रक्रियाएं समयबद्ध तरीके से और उच्च गुणवत्ता के साथ पूरी हों।

धनौरी-कलियर के बीच एक चलती कार में लगी आग...

धनौरी-कलियर के बीच एक चलती कार में अचानक से आग लग गई। सूचना पर मौके पर पहुंची कलियर पुलिस और दमकल विभाग की टीम ने आग पर काबू पाया।गाड़ी चला रहे चालक को सुरक्षित बचा लिया है। शुक्रवार की देर रात को पिरान कलियर निवासी आसफ कार में सवार होकर धनौरी से कलियर की ओर जा रहा था। जैसे ही वह धनौरी कलियर के बीच दो सड़कों पर पहुंचा तो अचानक से उसकी कार में आग लग गई। आग लगने की सूचना मिलने पर चेतककर्मी रविन्द्र बालियान टीम के साथ मौके पर पहुंचे और दमकल विभाग को सूचना दी। दमकल विभाग की टीम और कलियर पुलिस ने मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया । लेकिन जब तक कार जलकर राख हो गई।गनीमत रही की कोई जनहानि नही हुई और चालक को भी सुरक्षित बचा लिया गया है।थानाध्यक्ष दिलवर सिंह नेगी ने बताया कि देर रात एक कार में आग की सूचना मिली थी जिसको

मौके पर पहुचकर दमकल विभाग और पुलिस टीम आग को बुझा गया।

बिना भुगतान किए नही चलेगा इकबालपुर मिल का पेराई सत्र, गन्ना आयुक्त ने लगाई मिल प्रबंधन को फटकार

रिपोर्टर शमशाद अहमद

रुड़की बंद पड़ी इकबालपुर चीनी मिल को चलवाने के लिए प्रदेश सरकार बेहद गंभीर नजर आ रही है, जिसके चलते आज गढ़वाल गन्ना आयुक्त चंद्र सिंह धर्मशक्तू सुबह सवेरे इकबालपुर चीनी मील में पहुंच गए, जहां उन्होंने चीनी मील के बारे में विस्तार से जानकारी लेकर मिल प्रबंधन को जमकर फटकार लगाई।

निरीक्षण के दौरान गन्ना आयुक्त चंद्र सिंह धर्मशक्तू ने साफ किया कि जब तक गन्ना किसानों का पिछला बकाया भुगतान साढ़े दस करोड़ नहीं हो जाता, तब तक मिल को इंडेंट जारी नहीं किया जायेगा। वहीं मिल प्रबंधन द्वारा गन्ना आयुक्त को आश्वस्त किया गया कि आगामी 27 नवम्बर को चीनी मील का पेराई सत्र शुरू कर दिया जायेगा।

इसके बाद गन्ना आयुक्त इकबालपुर गन्ना विकास समिति में पहुंचे, जहां उन्होंने चीनी मील प्रबंधन के साथ-साथ गन्ना समितियों के सभी कर्मचारियों और डीसीओ के साथ बैठक कर आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान गन्ना आयुक्त चंद्र सिंह धर्मशक्तू ने कहा कि प्रदेश सरकार गन्ना किसानों के लिए बेहद गंभीर है। अब सरकार ने गन्ना अनुदान योजना शुरू की है। इस योजना में पौधशालाओं में बीज तैयार कर वैज्ञानिकों से परीक्षण कराकर गन्ना किसानों को उपलब्ध कराया जायेगा। उन्होंने कहा कि गन्ने की 238 प्रजाति सफल ना होने से गन्ना किसानों को बड़ा नुकसान हुआ है, लेकिन अब इस योजना में गन्ना किसानों को पौधशाला के लिए बीज उपलब्ध कराया जायेगा।

खाद की कमी किसान बेहाल

मिशन नेशनल न्यूज /शमशाद अहमद

भगवानपुर इस देश में अगर किसी की अनदेखी की जा रही है तो वो किसान ही है ऐसा हम नहीं कह रहे बल्कि हालात खुद बयान कर रहे है अन्नदाता किसान गेहूं की फसल बोने की तैयारी तो कर चुका है लेकिन डीएपी डाई की सप्लाई शॉर्ट होने के कारण अभी तक अधिकतर किसान गेहूं की बुवाई नहीं कर पाया है किसान परेशान है सरकारी समितियों पर डाई नहीं मिल पा रही है और गेहूं की फसल दिन प्रतिदिन लेट होती चली जा रही है इस संबंध में जब एस डी एम भगवानपुर जितेंद्र कुमार से बात की गई तो उन्होंने जानकारी का अभाव होने की बात कह कर कैमरे के सामने कुछ भी बोलने से मना कर दिया , ए डी ओ को ऑपरेटिव गौरव नागर से फोन पर संपर्क किया तो उन्होंने बाहर होने की बात कही खाद की कमी के बारे में उन्होंने बताया कि पिछले कुछ दिनों से ऊपर से ही डाई नहीं आई है और इस हफ्ते में खाद की सप्लाई आने की उम्मीद है इस मुद्दे पर आजाद समाज पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष महक सिंह ने सरकार पर हमला बोला है उन्होंने कहा कि किसानों की अनदेखी की जाती रही है और प्राइवेट दुकानों पर खाद को भेजा जा रहा है जहां दोगुने रेट पर डाई मिल रही है अब सोचने वाली बड़ी बात ये है कि आखिरकार जब किसानों को सुविधाओं की बात आती है तो सभी सियासी पार्टियों के भाषणों में किसानों के लिए गुणगान सुनने को जरूर मिल जाते है लेकिन हकीकत और सच्चाई क्या होती है उनके दावों में कितना दम होता है ये उदाहरण समय समय पर मीडिया के माध्यम से देखने को मिल ही जाता है ,खैर कारण जो भी हो लेकिन फिलहाल खाद की कमी से किसानों को परेशानी तो हो ही रही है इसका असर गेहूं की पैदावार पर भी पड़ने वाला है

कार्यकताओं द्वारा ढोल नगाड़ों एवं मिष्ठान वितरण के साथ विजय उत्सव मनाया

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

हरिद्वार /आज जिला भाजपा कार्यालय हरिद्वार पर केदारनाथ सहित विभिन्न राज्यों में संपन्न हुए विधानसभा चुनावो मे भारतीय जनता पार्टी व एनडीए को मिली अभूतपूर्व विजय के अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष संदीप गोयल के नेतृत्व में कार्यकताओं द्वारा ढोल नगाड़ों एवं मिष्ठान वितरण के साथ विजय उत्सव मनाया।

इस अवसर पर जिला अध्यक्ष संदीप गोयल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की यह निरंतर विजय साबित करती है कि देश का जनमानस एवं भाजपा की नीतियों में विश्वास रखता है तथा वह इंडिगठबंधन के भ्रामक प्रचार से विचलित होने वाला नहीं है।

रानीपुर विधायक आदेश चौहान ने कहा कि यह जीत भारतीय जनता पार्टी के संगठन एवं कार्यकताओं की कड़ी मेहनत का नतीजा है इस जीत ने भारतीय जनता पार्टी के कार्यकताओं का उत्साह चौगुना कर दिया है।

पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी यतीश्वरानंद ने कहा कि केदारनाथ उपचुनाव में ऐतिहासिक विजय प्रदेश के युवा मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के विकास कार्यों पर प्रदेश की जनता का आशीर्वाद मिला है।

जिस प्रकार मुख्यमंत्री ने प्रदेश में कानून व्यवस्था एवं धार्मिक स्थलों के विकास की योजनाओं को धरातल पर उतारा है उससे एक नया उत्तराखंड आकर ले रहा है।

जिला महामंत्री आशुतोष शर्मा व आशु चौधरी ने कहा कि केदारनाथ उपचुनाव व महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश विधानसभा के परिणाम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी योगी आदित्यनाथ व पुष्कर सिंह धामी के सशक्त नेतृत्व क्षमता का नतीजा है।

इन परिणामों ने एक बार फिर भारतीय जनता पार्टी की जनसेवी विकास आधारित व जीरो टॉलरेंस की नीति पर मोहर लगाई है।

इस अवसर पर पूर्व जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश जमदग्नि, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष अमरीश गर्ग, अमित चौहान ,अनिल अरोड़ा, जिला उपाध्यक्ष लव शर्मा, मोहित वर्मा, सचिन शर्मा, नकली राम सैनी, मनोज शर्मा, बृजमोहन पोखरियाल, नागेंद्र राणा ,हीरा सिंह बिष्ट ,तरुण नायर, मोहित शर्मा, रीता सैनी, रंजनाचतुर्वेदी, प्रीति गुप्ता, चमन चौहान, विपिन शर्मा ,सुबे सिंह, अतुल वशिष्ठ, वरुण चौहान, सत्यनारायण शर्मा, प्रदीप चौहान, लकी वालिया, हरजीत सिंह, विवेक चौहान, अनिमेष शर्मा ,संदीप प्रधान, युधिष्ठिर वालिया, अनुज त्यागी, मनोज चौहान, राजीव चौहान, अजय बबली, महेंद्र नेगी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

केदारनाथ सीट पर भाजपा की जीत से उत्साहित हुए कार्यकर्ता

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव में एनडीए की बड़ी जीत,

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

डोईवाला – केदारनाथ विधानसभा सीट पर भाजपा ने अपना दबदबा बरकरार रखा! भाजपा विधायक शैलारानी रावत का जुलाई में निधन हो गया था जिसके कारण केदारनाथ विधानसभा सीट खाली हो गई थी बद्रीनाथ विधानसभा सीट पर हार के बाद भाजपा के लिए केदारनाथ उपचुनाव नाक का सवाल बन गया था! उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी आशा नौटियाल ने कांग्रेस प्रत्याशी मनोज रावत को लगभग 5100 वोटो से हराकर जीत दर्ज की है! भानियावाला दुर्गा चौक पर कार्यकताओं ने एक दूसरों को मिठाई एवं बम पटाखे जलाकर शुभकामनाएं! क्षेत्रीय विधायक बृजभूषण गैरोला ने मातृशक्ति को जीत का धन्यवाद देते हुए कहां कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केदारनाथ धाम का जो नवनिर्माण और विकास किया है यह उसकी जीत है! जिला सहप्रभारी नलिन भट्ट और जिला अध्यक्ष रविंद्र राणा ने इसे विकास,राष्ट्रवाद और सनातन के साथ-साथ कार्यकर्ता और जनता की जीत बताया! कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि जो लोग अयोध्या,बद्रीनाथ को लेकर व्यंग्य करते थे,जनता ने उनको करारा तमाचा मारा है! जिला महामंत्री राजेंद्र तड़ियाल और भाजपा मंडल अध्यक्ष नरेंद्र सिंह नेगी ने कहा कि कांग्रेस में भ्रम, क्षेत्रवाद और जातिवाद फैलाने का कार्य किया है लेकिन जनता ने उनके एजेंडे को पूरी तरह नकार दिया है! इस मौके पर जिला महामंत्री राजेंद्र तड़ियाल, भाजपा मंडल अध्यक्ष नरेंद्र सिंह नेगी, पूर्व जिला मंत्री मनीष नैथानी,संपूर्ण सिंह रावत, ईश्वर चंद अग्रवाल, रवींद्र बेलवाल, मनमोहन नौटियाल, विनय कण्डवाल, ईश्वर रौथान, भगत सिंह बिष्ट, संदीप नेगी, चन्द्र बल्लभ लखेडा, मनीष छेत्री,जे पी गैरोला,विक्रम नेगी, संतोशी बहुगुणा, हिमांशु ,हिमांशु राणा, प्रदीप नेगी, मनीष यादव, सुखदेव चौहान आदि भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे!

स्मैक की खेफ के साथ हरिद्वार पुलिस ने 01आरोपी को धर दबोचा

नशा तस्कर के विरुद्ध हरिद्वार पुलिस की कार्यवाही लगातार जारी

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

ड्रग्स फ्री देवभूमि -2025 अभियान को सफल बनाने व आगामी लोक सभा समान्य निर्वाचन 2024 को सकुशल सम्पन्न कराने हेतु वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा जनपद हरिद्वार जनपद को नशा मुक्त करने के लिये अवैध शराब/स्मैक/चरस आदि तस्करो की कमर तोड़ने हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

उक्त अभियान के दृष्टीगत एस0एच0ओ0 लक्सर द्वारा क्षेत्र में नियमित रुप से टीमें गठित कर सघन चैकिंग एवं सुरागरसी/पतारसी की जा रही है। जिस क्रम में नशा तस्करो को विरुद्ध कार्यवाही हेतु क्षेत्र में सक्रिय पुलिस टीम द्वारा दिनांक 22.11.24 को 01 आरोपी शहजाद को लक्सर क्षेत्र से अवैध स्मैक के साथ पकड़ा गया।

आरोपी के विरूद्ध कोतवाली लक्सर पर एनडीपीएस एक्ट के अन्तर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया ।

आरोपी के विरुद्ध पूर्व के आपराधिक इतिहास की जानकारी की जा रही है ।

नाम पता आरोपी-

शहजाद पुत्र रशीद निवासी ग्राम खण्डजा कुतुबपुर, कोतवाली -लक्सर ,जनपद- हरिद्वार

विवरण बरामदगी-

4.00 ग्राम अवैध स्मैक व एक इलेक्ट्रानिक तराजू

पुलिस टीम-

1-उ0नि0 कमलकान्त रतूडी

2-कां0नि0 मदन वर्मा-

नशा मुक्त देवभूमि-2025 अभियान के तहत नशा तस्करो के विरूद्ध हरिद्वार पुलिस की कार्यवाही

दौराने चैकिंग एक आरोपी को अवैध स्मैक के साथ धर दबोचा

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

नशा मुक्त देवभूमि-2025 अभियान के अन्तर्गत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के आदेश के अनुपालन में कोतवाली रानीपुर पुलिस द्वारा अवैध मादक पदार्थो/नशा तस्करो के विरूद्ध लगातार अभियान चलाकर छापेमारी की कार्यवाही की जा रही है।

जिसके अन्तर्गत दिनांक 22.11.2024 को रानीपुर पुलिस टीम द्वारा दौराने चैकिंग जमालपुर को जाने वाले रास्ते से आरोपी मोनू कुमार उर्फ मोनू पुत्र रमन कुमार पंडित उर्फ रघु निवासी अलावलपुर माजरा थाना भोराकला जनपद मुजफ्फरनगर उत्तर प्रदेश हाल निवासी डेंसो चौक ब्रह्मपुरी रामनगर कॉलोनी थाना सिडकुल जनपद हरिद्वार को पकड़ा गया।

उनके कब्जे से 2.63 ग्राम अवैध स्मैक व स्मैक बेचकर कमाये गये नगदी 900/की बरामदगी की गयी। आरोपी के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट का अभियोग पंजीकृत किया गया ।

नाम पता आरोपी

1- मोनू कुमार उर्फ मोनू पुत्र रमन कुमार पंडित उर्फ रघु निवासी अलावलपुर माजरा थाना भोराकला जनपद मुजफ्फरनगर उ0प्र0 हाल निवासी डेंसो चौक ब्रह्मपुरी रामनगर कॉलोनी थाना सिडकुल जनपद हरिद्वार।

बरामदगी-

1- कुल 2.63 ग्राम स्मैक

पुलिस टीम-

1- कमल मोहन भण्डारी, प्रभारी निरीक्षक

2- अ0उ0नि0 नन्दकिशोर,

3- कां0 1430 करम सिंह,

4- कां0 1135 अजय,

हरिद्वार पुलिस की गौतस्करों पर लगातार की जा रही कार्यवाही

मौके से 50 किलोग्राम गौमांस व एक सेन्ट्रो कार बरामद

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

थाना भगवानपुर पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम सिकरोडा तिराहे पर वाहन सैन्ट्रो खडी है जिसके अन्दर गौमांस है इस सूचना पर तत्काल पुलिस टीम मौके पर जाकर उक्त सैन्ट्रो को चैक किया गया जिसमे दो व्यक्ति बैठे थे पकडे गये ।

व्यक्तियो से नाम पता पूछा गया तो एक ने अपना नाम फजलू रहमान उर्फ भूरा र/ड इरफान निवासी मौ0 पीठवाला कैलाशपुर थाना गागलहेडी जिला सहारनपुर तथा दूसरे व्यक्ति ने अपना नाम अफजाल र/ड जमील निवासी कैलासपुर थाना-गागलहेडी जिला- सहारनपुर (उ0प्र0) बताया।

वाहन सैन्ट्रो कार को चैक किया गया तो कार की डिग्गी में एक काली पन्नी के नीचे नीले व पीले कट्टे के अन्दर पारदर्शी थैली को खोलकर देखा गया तो गौ मांस करीब 50 डॅ पडा था। पकडे गये व्यक्तियों से बरामद मांस के सम्बन्ध में पूछा तो बताया कि यह गौमांस हमने अजीम से लाया है जो सिकरौडा में रहता है मौके पर गौमांश व एक सेन्ट्रो कार के साथ उपरोक्त दोनो आरोपियों को गया।

नाबालिक लड़की को बहला फुसलाकर भगाकर ले जाने वाले आरोपी को पुलिस ने धर दबोचा

नाबालिक अपहृता को किया सकुशल बरामद

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

वादिया निवासी रुड़की जनपद हरिद्वार द्वारा एक किता प्रार्थना पत्र बाबत अज्ञात आरोपी द्वारा वादी की नाबालिक पुत्री को बहला फुसलाकर भागकर ले जाने संबंध में लाकर दाखिल की, दाखिला प्रार्थना पत्र के आधार पर थाना हाजा पर बनाम अज्ञात पंजीकृत किया गया।

प्रकरण की गम्भीरता को देखते हुए पुलिस टीम द्वारा दिनांक 23.11.24 को रवाना शुदा देखरेख क्षेत्र, चैकिंग संदिग्ध व्यक्ति/ वाहन, तफ्तीश मुल्जिमान बनाम अज्ञात में थाना क्षेत्र रवाना थे।

उक्त क्रम में पुलिस टीम को सूचना मिली सूचना के आधार पर त्वरित कार्यवाही करते हुए आरोपी को रामपुर चुंगी बस स्टॉप से पकड़ा गया , व अपहर्ता को सकुशल बरामद किया गया।

बाल मेला-बाल शोध-बाल चौपाल का आयोजन किया गया

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

राजकीय प्राथमिक विद्यालय रामगढ़ विकासखण्ड रायपुर में बाल मेला-बाल शोध-बाल चौपाल का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यालय के छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों के साथ सभी छात्र-छात्राओं के अभिभावक तथा स्थानीय लोग भी उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों की रचनात्मकता, शैक्षिक जागरूकता, शोध प्रवृत्ति जागृत करने, अभिव्यक्ति तथा संवाद कौशल को बढ़ावा देना थाबाल मेले का शुभारंभ खण्ड शिक्षा अधिकारी रायपुर हेमलता गौड़ उनियाल तथा विद्यालय प्रबंधन समिति की अध्यक्ष सीमा ने ज्ञान की देवी माँ सरस्वती के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्जवलित कर किया। बाल मेले में उपस्थित अभिभावकों तथा अतिथियों का स्वागत करते हुये विद्यालय के प्रधानाध्यापक अरविन्द सिंह सोलंकी ने कहा कि प्राथमिक विद्यालय रामगढ़ में पहली बार बाल मेले का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम बच्चों के समग्र विकास में सहायक होगा और उनकी प्रतिभा को निखारने का अवसर प्रदान करेगा। यह बच्चों की रचनात्मकता और आत्मविश्वास को बढ़ावा देगा। इस बाल मेले में बच्चों द्वारा विभिन्न शैक्षिक, ज्ञानवर्धक और रचनात्मक गतिविधियों

का प्रदर्शन किया जा रहा है। उन्होंने सभी अभिभावकों तथा अतिथियों से प्रत्येक स्टॉल में जाकर बच्चों की प्रतिभा को देखने का अनुरोध किया। बाल मेले में कक्षा 5 के छात्र-छात्राओं द्वारा कचरा पृथक्करण, स्वच्छता, 2ऊ 3ऊ आकृतियों, कक्षा 4 के छात्र-छात्राओं ने स्थानीय मान, विलोम शब्द, गणितीय चिन्हों कक्षा 3 के छात्र-छात्राओं ने उत्तराखण्ड के जनपदों के नाम, पर्यायवाची शब्दों, कक्षा 2 के छात्र-छात्राओं ने मात्राओं, जोड़-घटाना तथा कक्षा 1 के छात्र-छात्राओं ने तीन और चार अक्षर वाले शब्दों का प्रदर्शन किया। सभी छात्र-छात्राओं ने सहज भाव से पूरे आत्मविश्वास के साथ अपनी अभिव्यक्ति दी। इसके साथ भी मेले में विभिन्न गणितीय खेलों, शैक्षिक सामग्री के स्टॉल भी लगाये गए तथा बच्चों को म्यूजिकल चेयर रेस, चम्मच दौड़ जैसे खेल भी खिलाये गये। मेले के समापन से पूर्व छात्र-छात्राओं ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किये। उपस्थित अभिभावकों तथा छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुये खण्ड शिक्षा अधिकारी हेमलता गौड़ उनियाल ने कहा कि विद्यालय में इस तरह के आयोजन छात्रों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विभिन्न स्टॉल का अवलोकन करने के पश्चात उन्होंने कहा कि विद्यालय के छात्रों का आत्मविश्वास एवं प्रदर्शित विषय वस्तु पर पकड़ सराहनीय है। उन्होंने सभी अभिभावकों से अपने पाल्यों की पढ़ाई-लिखाई के लिये घर में एक घण्टे का समय आवश्यक रूप से निकालने को कहा।

राजकीय प्राथमिक विद्यालय रामगढ़ में आयोजित इस प्रथम बाल मेले में विकासखण्ड की खण्ड शिक्षा अधिकारी हेमलता गौड़ उनियाल, समाजसेवी और वरिष्ठ भाजपा नेता संपूर्ण सिंह रावत, विद्यालय प्रबंधन समिति की अध्यक्ष सीमा, विद्यालय के प्रधानाध्यापक अरविन्द सिंह सोलंकी, सहायक अध्यापिकायें उषा चौधरी, मीना घिल्डियाल, मधुलिका, वीरेन्द्र उनियाल, रुचि सेमवाल, डी एल एड प्रशिक्षु नवीन कुमार, अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के अशोक कुमार मिश्र, खण्ड कार्यालय से सुनील रावत, तीनों भोजन मातायें लक्ष्मी देवी, विमला देवी, नीलिमा थापा सभी छात्र-छात्राओं के अभिभावक तथा बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने अपनी उपस्थिति दी।

संतों का जीवन परमार्थ को समर्पित होता है:- जगतगुरु स्वामी श्यामनारायणाचार्य

संत समाज के सानिध्य में श्रद्धापूर्वक मनाया गया साकेतवासी जगतगुरु रामानुजाचार्य स्वामी श्रीनिवासाचार्य महाराज का श्रद्धांजलि समारोह

हरिद्वार। साकेतवासी जगद्गुरु रामानुजाचार्य स्वामी श्रीनिवासाचार्य महाराज का अठारहवां पुण्यतिथि श्रद्धांजलि समारोह संत समाज के सानिध्य में श्रद्धापूर्वक मनाया गया। भूपतवाला स्थित आचार्य बेला इंडिया टेंपल में आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जगतगुरु रामानुजाचार्य स्वामी श्यामनारायणाचार्य महाराज ने कहा कि संतो का जीवन परमार्थ को समर्पित होता है। साकेतवासी स्वामी श्रीनिवासाचार्य महाराज ने अपना संपूर्ण जीवन धर्म एवं संस्कृति के संरक्षण संवर्धन के लिए समर्पित किया। संत समाज उन्हें नमन करता है। जगद्गुरु रामानुजाचार्य स्वामी मधुसूदनाचार्य महाराज ने कहा कि महापुरुष केवल शरीर त्यागते हैं। समाज कल्याण के लिए उनकी आत्मा सदैव इस धरा पर उपस्थिति रहती है। साकेतवासी श्रीनिवासाचार्य महाराज त्याग एवं तपस्या की साक्षात प्रतिमूर्ति थे। आचार्य बेला इंडिया टेंपल के महंत युवराज दामोदराचार्य दिव्यांश वेदांती महाराज ने कहा कि गुरु परमात्मा का ही स्वरूप होते हैं। व्यक्ति चाहे किसी भी क्षेत्र में कार्यरत हो उसे गुरु की आवश्यकता पड़ती ही है। पूज्य गुरुदेव बैकुंठवासी स्वामी श्रीनिवासाचार्य महाराज संत समाज के प्रेरणा स्त्रोत थे। राष्ट्र निर्माण में उनका अतुल्य योगदान कभी बुलाया नहीं जा सकता। अपनी विद्वत्ता और शिक्षाओं के माध्यम से उन्होंने सदैव समाज को समरसता का संदेश प्रदान किया। ऐसे महापुरुषों का नाम संत समाज के इतिहास में सदैव स्वर्णिम अक्षरों में स्थापित रहेगा। इस अवसर पर मंहत सुतिक्षण मुनि, महंत शिवानंद, मंहत हरिहरानंद, स्वामी रविदेव शास्त्री, स्वामी दिनेश दास, महंत प्रमोद शास्त्री, महंत नरेशानंद, महंत गुरमीत सिंह, महंत दुगार्दास, महंत प्रहलाद दास सहित बड़ी संख्या में संत महापुरुष उपस्थित रहे।

खादर में जल भराव से ग्रामीणों व स्कूली बच्चों का निकलना हुआ मुश्किल

संवाददाता प्रवीण सैनी

लक्सर/विकासखंड लक्सर के ग्राम बसेड़ी खादर में जल भराव से ग्रामीणों व स्कूली बच्चों का निकलना हुआ मुश्किल लक्सर खंड विकास अधिकारी ने लिया मामले का संज्ञान ग्राम प्रधान को दिए सफाई कराने के आदेश, लक्सर के बसेड़ी खादर गांव में स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय के सामने जल भराव व गंदगी जमा होने से ग्रामीण व स्कूली बच्चे परेशान हो गए हैं। स्कूल की प्रधानाध्यापक व ग्रामीणों ने कई बार ग्राम प्रधान व संबंधित अधिकारियों को पत्र लिखकर इसकी शिकायत भी की है लेकिन अभी तक कोई समाधान नहीं हो पाई है। प्राथमिक विद्यालय में 57 बच्चे शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं और इसके साथ ही विद्यालय में चार आंगनवाड़ी केंद्र भी है जिसमें छोटे मासूम बच्चे भी पढ़ रहे हैं। बच्चों को गंदे पानी और गंदगी से गुजर कर विद्यालय में आना पड़ रहा है।जिसको तस्वीरों में साफ देखा जा सकता है। विद्यालय के सहायक अध्यापक अमित शर्मा ने बताया कि इस संबंध में अधिकारी गणों व प्रधान को भी इस संबंध में अवगत कराया जा चुका है लेकिन अभी तक कोई सुनवाई नहीं हुई है,छोटे बच्चे व ग्रामीण गंदे पानी को लांघकर निकल रहे हैं आने जाने के लिए हम लोगों ने सीमेंट की ईंटें रखवाई है जिस पर चलकर बच्चे स्कूल आ पा रहे हैं। स्कूल की ओर से दो-तीन बार अपने पैसों साफ सफाई कराई जा चुकी है ।वहीं ग्रामीणों ने बताया कि अधिकारी गण आते हैं वीडियो बनाकर चले जाते हैं स्कूल के सामने एक तालाब भी है जिसका आज तक कोई निस्तारण नहीं हुआ है।तालाब ओवरफ्लो है गंदगी का अंबार लगा हुआ है। पानी की निकासी का कोई साधन नहीं है। तालाब की आज तक कोई सफाई नहीं हुई है।आप तस्वीरों में देख सकते हैं। जब इस संबंध में खंड विकास अधिकारी पवन सिंह से बात की तो उन्होंने बताया कि जिला पंचायत मोनू के द्वारा भी शिकायत मिली थी ग्राम प्रधान को पानी की निकासी व साफ सफाई करने के आदेश कर दिए गए हैं।जल्द ही रास्ते का समाधान कर दिया जाएगा।

एसएसपी प्रमेन्द्र सिंह डोबाल द्वारा दिए गए निर्देश पर अमल कर रही हरिद्वार पुलिस

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

बीते दिनों एसएसपी प्रमेन्द्र सिंह डोबाल द्वारा कोतवाली गंगनहर में मातहतों के साथ बैठक करते हुए दिए गए निदेर्शों पर अमल करते हुए सीओ मंगलौर विवेक कुमार एवं प्रभारी निरीक्षक मंगलौर द्वारा उत्तम शुगर मिल के अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित कर उन्हे निदेर्शों से अवगत कराया गया।

इस दौरान उत्तम शुगर मिल के युनिट हेड एलएस लंबा, गन्ना महाप्रबंधक अनिल सिंह , ट्रांसपोर्ट इंचार्ज शिव कुमार, सुरक्षा अधिकारी वीर सिंह चौहान आदि मौजूद रहे जिन्होंने निदेर्शों को लागू करने पर सहमति प्रकट की।

मीटिंग में उत्तम शुगर मिल में आने वाले वाहनों की सुरक्षा की दृष्टिगत निम्नलिखित निर्देश दिए गए-

1-शुगर मिल में आने वाले गन्ने की ट्राली ट्रक के पीछे रात्रि में रिफ्लेक्टर व लाइट की व्यवस्था की जाए जिससे सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाए जा सके।

2-गन्ने के ट्राली ट्रक के साइड व पीछे गन्ना भारी मात्रा में लटके रहते हैं जिससे दुर्घटना की संभावना रहती है उनको भी काट कर गाड़ी की साइज निर्धारित मानक के अनुसार रखा जाए।

3-रात्रि में गाड़ियों में रिफ्लेक्टर लाइट की व्यवस्था सही कर उत्तम शुगर मिल के सुरक्षा अधिकारी इस पर विशेष ध्यान दें।

4-ओवरलोड पर विशेष ध्यान दिया जाए।

5-रात्रि में गाड़ियों को कानवाई के रूप में निकाला जा सकता है।

6-गन्ना केंद्र पर रात्रि में 8:00 बजे तक सभी गाड़ियां पहुंच जाए। यदि गाड़ियां आती है तो उनको सर्विस रोड पर सुव्यवस्थित तरीके से पार्क किया जाए। नेशनल हाईवे पर किसी भी प्रकार से लोड वाहनों को पार्क न किया जाए।

पूर्व विधायक चंद्रशेखर प्रधान के निधन पर भाजपा परिवार एवं समाज के प्रतिष्ठित लोगों ने शोक व्यक्त कर अंत्येष्टि में हुए शामिल

मिशन नेशनल न्यूज / शमशाद अहमद

रुड़की।पूर्व विधायक चंद्रशेखर प्रधान के निधन पर भाजपा एवं समाज के प्रतिष्ठित लोगों ने उनकी अंत्येष्टि में पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की।मालवीय चौक स्थित शमशान घाट पर उनका अंतिम संस्कार किया गया।पूर्व विधायक चंद्रशेखर वर्ष 2002 में भगवानपुर विधानसभा से तथा 2012 में ज्वालापुर विधानसभा से विधायक रहे।शोक व्यक्त करने वालों में भाजपा विधायक आदेश चौहान व हाजी मोहम्मद शहजाद,पूर्व मेयर गौरव गोयल व यशपाल राणा,दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री श्यामवीर सैनी,एसपी देहात स्वपन किशोर सिंह,कांग्रेस के प्रदेश महामंत्री सचिन गुप्ता,भाजपा पिछड़ा प्र-कोष्ठ के प्रदेश मंत्री चौधरी धीर सिंह,भाजपा जिलाध्यक्ष शोभाराम प्रजापति,वरिष्ठ भाजपा नेता संजय अरोड़ा,जिला महामंत्री अरविंद गौतम,फोनिक्स कॉलेज के चेयरमैन चैरब जैन,मास्टर सत्यपाल सिंह,वरिष्ठ नेता सुबोध राकेश,राजपाल सिंह,जिला मंत्री सतीश सैनी,जिला मीडिया प्रभारी पंकज नंदा,देवी सिंह राणा,युवा मोर्चा अध्यक्ष गौरव कौशिक,पिछड़ा मोर्चा अध्यक्ष अनुज सैनी,पार्षद धीरज पाल,विवेक चौधरी,चंद्रप्रकाश बाटा,सुबोध चौधरी,नरेश यादव, हरिमोहन गुप्ता,मंडल अध्यक्ष मनोज चौधरी,वरिष्ठ पत्रकार सुभाष सैनी,हरीश शर्मा,नरेश शर्मा,सुंदरलाल प्रजापति,विकास प्रजापति,रामगोपाल कंसल,प्रमोद गोयल,संजीव कक्कड़ आदि मौजूद रहे।

उत्तरकाशी में भाजपा कार्यकताओं ने केदारनाथ विधानसभा उपचुनाव में जीत का जश्न मनाया

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

उत्तरकाशी, केदारनाथ विधानसभा उपचुनाव में भाजपा की शानदार विजय पर आज जिला मुख्यालय उत्तरकाशी में गंगोत्री विधायक सुरेश सिंह चौहान ने समस्त भाजपा कार्यकताओं के साथ मिठाई बांटकर उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। गंगोत्री विधायक सुरेश सिंह चौहान ने कहा कि यह जीत समस्त कार्यकताओं की निष्ठा, अथक परिश्रम और जनता के भाजपा की नीतियों पर अपार विश्वास का प्रतीक है। साथ ही, महाराष्ट्र में भारतीय जनता पार्टी को पूर्ण बहुमत मिलने पर उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का आभार व्यक्त किया। केदारनाथ में मिली जीत के लिए गंगोत्री विधायक सुरेश सिंह चौहान ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को बधाई दी।

विधायक ने विश्वास जताते हुए कहा कि केदारनाथ में नवनिर्वाचित विधायक आशा नौटियाल के प्रतिनिधित्व में हम सभी शैला दीदी के सपनों को आगे बढ़ाएंगे। गंगोत्री विधायक सुरेश सिंह चौहान ने यह भी कहा कि भाजपा की यह जीत उत्तराखंड के विकास और प्रगति के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने सभी कार्यकताओं से अपील की कि वे इसी जोश और उत्साह के साथ आगे भी काम करते रहें। चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में देश और राज्य में विकास की नई ऊंचाइयों को छुआ जाएगा। इस अवसर पर भाजपा कार्यकताओं ने एकजुट होकर पार्टी की नीतियों और कार्यक्रमों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। विधायक ने कहा कि यह जीत केवल एक शुरूआत है और हमें मिलकर उत्तराखंड को एक आदर्श राज्य बनाने के लिए निरंतर प्रयास करना होगा। भाजपा कार्यकताओं में इस जीत को लेकर जबरदस्त उत्साह देखा गया। उत्तरकाशी के मुख्य बाजार में कार्यकताओं ने ढोल-नगाड़ों के साथ विजय जुलूस निकाला। कार्यकताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाई और पटाखे फोड़कर अपनी खुशी का इजहार किया।

शालू सैनी कर चुकी सेवा भाव से हजारों अंतिम संस्कार

मिशन नेशनल न्यूज / शमशाद अहमद

रुड़की।सहारनपुर जिले से किसी सामाजिक व्यक्ति द्वारा जानकारी दी गई कि एक गरीब परिवार की बुजुर्ग महिला का देहांत हो गया है,उनके पास अंतिम संस्कार के पैसे नहीं है।श्री महाकाल जी का आदेश स्वीकार कर क्रांतिकारी शालू सैनी ने बुजुर्ग अम्मा का अंतिम संस्कार उनके परिवार वालों के साथ मिलकर किया।प्रत्येक जिले व अन्य प्रदेशों में भी इनके द्वारा अंतिम संस्कार किया जाता है।सेवा सिर्फ एक ही उद्देश्य ना कोई लावारिस के रूप में जाएगा और ना कोई गरीबी के कारण बिना कफन के जाएगा।हर मृतक को होगा कफन नसीब ये है।क्रांतिका-री शालू सैनी का कहना है कि यदि अंतिम संस्कार की सेवा में उन्हें भीख भी मांगनी पड़ी तो पीछे नहीं हटेंगी।साक्षी वेलफेयर ट्रस्ट की राष्ट्रीय अध्यक्ष महाकाल की बेटी लावारिसों की वारिस क्रांतिकारी शालू सैनी द्वारा समाज सेवा का अनोखा रूप दिखाया गया है ।क्रांतिकारी शालू सैनी द्वारा समाज सेवा को अपना कर्तव्य समझकर किया गया और आज तक उसी तर्ज पर समाज सेवा करती आ रही है क्रांतिकारी शालू सैनी।लावारिसों को अपना नाम देकर विधि-विधान से अंतिम संस्कार करती है,साथ ही ऐसे परिवार के मृतकों के अंतिम संस्कार भी करती है,जिनका सामर्थ्य नहीं होता जो झुग्गी झोपड़ियों में अपना गुजर बसर करते हैं।अब क्रांतिकारी शालू सैनी को हर रोज फोन आते है अंतिम संस्कार के लिए या तो लावारिस होते हैं या फिर ऐसे परिवार वाले भी होते हैं,जिनके पास पैसे नहीं होते।क्रांतिकारी शालू सैनी ने बताया की अब उनका फोन नंबर वायरल हो गया है अंतिम संस्कार के लिए।हर रोज कई-कई डेड बॉडी आती हैं,जिनकी वारिस बनकर विधि-विधान से अंतिम संस्कार शालू सैनी द्वारा किया जाता है।उन्होंने कहा कि भगवान ने मुझको समाज सेवा की कसौटी पर उतारा है और मैं इस कसौटी पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करूंगी,क्योकि श्री महाकाल बाबा ने यदि मुझको इस जिम्मेदारी के लिए चुना हैं तो होंसला और हिम्मत व सामर्थ्य भी वही दे रहे हैं।भगवान कभी अपने भक्तों का साथ नहीं छोड़ते।समाज सेवा के क्षेत्र में आज क्रांतिकारी शालू सैनी परिचय की मोहताज नही हैं।लावारिसों की वारिस क्रांतिकारी शालू सैनी के नाम से उत्तर प्रदेश के साथ-साथ पडोसी राज्यों में भी प्रसिद्धि हो रही है।

ओएनजीसी हादसे में 10 दिन बाद कंटेनर चालक मिला

घटनास्थल से कंटेनर की नंबर प्लेट गायब करने में गिरफ्तार

मिशन नेशनल न्यूज / शादाब अली

देहरादून राजधानी का दिल कपाने वाली हृदय विदारक घटना 12 नवंबर को ओएनजीसी चौक पर इनोवा कार की कंटेनर से हुई भिड़ंत में घटना के बाद से ही फरार चल रहे कंटेनर चालक रामकुमार उर्फ रामू(34) पुत्र तेजपाल, निवासी ग्राम इस्माईलपुर, पोस्ट बिहारीगढ सहारनपुर,उ0प्र0 को पुलिस ने आज गिरफ्तार कर लिया है। अभियुक्त कंटेनर चालक ने खुलासा किया है कि एक्सीडेंट में सड़क पर युवाओं के शव पड़े हुए देख वह घबरा गया व उसने कंटेनर की नंबर प्लेट को लेकर मौके से फरार हो गया व मोबाइल भी बंद कर दिया। गिरफ्तारी से बचने को अभियुक्त घर की बजाय कहीं और जाकर छिपा था।बीती 12 नवंबर की तड़के सुबह हुए सड़क हादसे मे पुलिस द्वारा ट्रक कन्टेनर के सम्बंध में जानकारी करने पर उक्त कन्टेनर एच0आर0 55 जे0-4348 अशोका लिलेंड टस्कर सुपर, वी-

०आर०सी० लॉजिस्टिक प्रा0लि0 पटेलनगर गुडगांव, नई दिल्ली के नाम पर रजिस्टर्ड होने की जानकारी हुई थी।जिसकी जानकारी करने पर उक्त कम्पनी द्वारा उक्त वाहन को वर्ष 2015 में नरेश गौतम निवासी सहारनपुर, उ0प्र0 को बेचना तथा नरेश गौतम द्वारा वर्तमान में उक्त वाहन को एचड-ीडी मशीन के साथ अभिषेक चौधरी पुत्र मुकेश चौधरी, निवासी मुहाना, मेरठ को किराये पर दिये जाने की जानकारी मिली थी। पुलिस की आगे की जांच में सामने आया कि अभिषेक चौधरी द्वारा उक्त वाहन को अक्टूबर 2024 में मेरठ से देहरादून लाया गया था, जिसे काम न मिलने के कारण वह ट्रांसपोर्ट नगर पटेलनगर में ही खडा रखता था तथा कभी मशीन पहुँचाने का काम मिलने पर उक्त वाहन से एचडीडी मशीन को आस पास की जगह पहुँचा देता था। पुलिस के अनुसार घटना वाले दिन भी उक्त कंटेनर एक एचडीडी मशीन को कौलागढ़ में चल रहे ड्रिलिंग के कार्य के लिए कौलागढ़ लेकर जा रहा था, जिसे अभियुक्त रामकुमार चला रहा था। घटना के समय कन्टेनर चालक अपने वाहन को किशन नगर की ओर से सामान्य गति से कौलागढ़ की ओर ले जा रहा था। ओएनजीसी चौक पर कंटेनर को सीधे कौलागढ़ रोड की ओर ले जाने के दौरान चौक से पूरा कंटेनर लगभग निकल ही गया था तभी अचानक बल्लूपुर की ओर से आ रही इनोवा कार उक्त कन्टेनर के पिछले हिस्से से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। दुर्घटना के बाद वह कन्टेनर के पिछले हिस्से की ओर देखने गया तो वहां यु-वाओं के शव पड़े हुए देखकर वह लोगो द्वारा उसे ही घटना का जिम्मेदार माने जाने के डर से मौके से गाड़ी की नंबर प्लेट लेकर फरार हो गया। दुर्घटना के बाद पकड़े जाने के डर से चालक द्वारा अपना मोबाईल फोन बन्द कर दिया तथा अपने घर को न जाकर किसी अज्ञात स्थान पर छिप गया था।पुलिस ने अभियुक्त चालक को हादसे की सूचना पुलिस को न देने व मौके से अपने वाहन की पहचान छिपाने के उद्देश्य से वाहन की नम्बर प्लेट को घटनास्थल से हटाकर साक्ष्यों को छुपाने के सम्बन्ध में गिरफ्तार किया है।

धूमधाम से मनाई गई भैरव अष्टमी

कनखल के श्री काल भैवर मन्दिर आश्रम आशारोड़ी में काल भैरव अष्टमी धूमधाम से मनायी गयी। भैरव मन्दिर के महंत कौशलपुरी के सानिध्य में श्रद्धालु भक्तों ने भगवान काल भैरव की पूजा अर्चना कर आशीर्वाद लिया। नगर विधायक मदन कौशिक ने भी पूजा अर्चना में शामिल होकर सभी के लिए मंगल कामना की।

त्याग, तपस्या और सेवा की प्रतिमूर्ति महंत कौशलपुरी महाराज समाज के प्रेरणा स्रोत हैं। इस दौरान महामंडलेश्वर स्वामी कपिल मुनि, स्वामी वजनानंद, पवन बिहारी, अमित गौतम, हरीश शेरी, रामसागर, संजय चौहान, नितिन माणा, सुनील गुड्डू, दीपक मणि, लक्की वालिया सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।

खनन मामले में उड़ रही सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की धज्जियां

मिशन नेशनल न्यूज / शादाब अली

देहरादून विकासनगरजन संघर्ष मोर्चा अध्यक्ष एवं जीएमवीएन के पूर्व उपाध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने कहा कि विकासनगर क्षेत्रांतर्गत आसन कंजर्वेशन रिजर्व की अति संवेदनशीलता को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने 14 फरवरी 2024 के द्वारा दस किलोमीटर की परिधि के भीतर किसी भी प्रकार की खनन क्रियाएं यथा स्टोन क्रशर, खनन पट्टे एवं स्क्रीनिंग प्लांट के संचालक पर रोक लगाने के आदेश पारित किए थे, लेकिन अधिकारियों ने उन आदेशों की धज्जियां उड़ा कर रख दी है। उन्होंने कहा कि हाई कोर्ट एवं वन पर्यावरण मंत्रालय के आदेश भी निष्प्रभावी हुए है।

यहां पत्रकारों से वार्ता करते हुए नेगी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का इस कदर अनादर देश के इतिहास में शायद पहला मामला हो। उन्होंने कहा कि उक्त आदेशों के क्रम में प्रमुख वन संरक्षक वन्य जीव ने मुख्य वन संरक्षक, गढ़वाल एवं डीएफओ, चकराता को 22 जून 2024 के द्वारा कार्रवाई के निर्देश दिए थे, लेकिन उन आदेशों का आज तक कोई अता-पता नहीं है। उन्होंने कहा कि यानी सिर्फ कागजी जमा- खर्च किया गया। नेगी ने कहा है कि आलम यह है कि इस अति संवेदनशील क्षेत्र में एक दर्जन से अधिक स्टोन क्रशर, स्क्रीन प्लांट व खनन पट्टे नियमों की धज्जियां उड़ाकर आवंटित किए गए। नेगी ने कहा कि पूर्व में उच्च न्यायालय के निर्देश दो जुलाई 2015 के द्वारा भी सरकार को खनन क्रि याओं

पर रोक लगाने के निर्देश दिए गए थे। उन्होंने कहा कि उस वक्त सरकार ने उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी दायर की, उन्होंने कहा कि लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने दखल देने से मना कर दिया था। नेगी ने कहा कि तत्पश्चात सरकार ने फिर उच्च न्यायालय में पुनर्विचार याचिका दायर की, उसको भी उच्च न्यायालय ने खारिज कर दिया यानी वर्ष 2015 का आदेश आज तक भी प्रभावी है। उन्होंने कहा कि इन तमाम आदेशों का भी सरकार पर कोई असर नहीं पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि हैरान करने वाली बात यह है कि भारत सरकार के वन एवं पर्यावरण मंत्रालय एवं नेशनल वाइल्ड लाइफ बोर्ड भी इस मामले में नाकाम हो चुका है। उन्होंने कहा कि मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव, वन एवं पर्यावरण के आदेशों का भी अधिकारियों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ रहा है।

इस अवसर पर नेगी ने तंज कसते हुए कहा कि शायद सरकार एवं उसके अधिकारियों को इंटरनेशनल कोर्ट के आदेशों का इंतजार है। उन्होंने कहा कि मोर्चा शीघ्र ही अधिकारियों की मनमानी एवं सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की अवहेलना के मामले में कंटेंप्ट अवमानना दाखिल करेगा। इस अवसर पर पत्रकार वार्ता में विजय राम शर्मा व सुशील भारद्वाज मौजूद थे।

पौड़ी पुलिस ने चलाया साइबर अपराधों से बचने के लिए जागरूकता अभियान

मिशन नेशनल न्यूज / शादाब अली

कप्तान पौड़ी लोकेश्वर सिंह द्वारा जनपद में अपराधों की रोकथाम के लिए जनपद के सभी थाना व चौकी प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में आमजन को नशे से होने वाले दुष्प्रभाओं, साइबर क्राइम व फ्रॉड से बचने व ट्रैफिक नियमों का पालन किये जाने हेतु जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किये जाने हेतु निर्देशित किया गया है।

जिस क्रम में चौकी प्रभारी श्रीकोट उ0नि0 मुकेश गैरोला द्वारा जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) चड़ीगाँव श्रीनगर में अध्यापकों, चिकित्सकों व अन्य लोकसेवकों की चल रही कार्यशाला में साइबर क्राइम व फ्रॉड के विषय में और इससे बचने के उपायों, युवा पीढ़ी पर नशे का दुष्प्रभाव तथा सड़क सुरक्षा से सम्बन्धित यातायात नियमों के विषय में जानकारी देने के साथ साथ अपने आस-पड़ोस के अन्य लोगों को भी जागरुक करने के लिए प्रेरित किया गया।

इसके साथ ही जागरूकता सम्बन्धी पंम्पलेट्स का भी वितरण किया गया।

इस दौरान उनके द्वारा साइबर फ्रॉड वर्तमान में देश की प्रथम समस्या बनी हुयी है, प्रत्येक व्यक्ति साइबर फ्रॉड का शिकार किसी न किसी रुप में हो रहा है। साइबर फ्रॉड में व्यक्ति कई प्रकार से आता है,साइबर फ्रॉड करने वाला व्यक्ति किसी को लोन की धनराशि दुगना करना, लॉटरी लगना, पैंसे कमाने की नई तकनीकि में लाना, टेलीग्राम ग्रुप से जोड़कर विभिन्न लुभावने ऑफर देकर लोगों से फ्रॉड कर देते हैं,किसी को मानसिक रुप से ब्लैकमेल करके कि आपके बच्चे के खिलाफ किसी मामले में एफ.आई.आर. हुई है, या आपका नम्बर किसी एफ.आई.आर में प्रकाश में आ रहा है, या साइबर

फ्रॉडर आपको वीडियो कॉल कर एक एडिटेड न्यूड वीडियो बनाकर डराकर वर्तमान में कई प्रकरण आ रहे हैं,मित्र या रिश्तेदार बनकर भी व्हाट्स एप, फेसबुक, इन्स्टाग्राम में फर्जी आई.डी बनाकर पैंसों की मांग यह बोलकर करते हैं कि शाम को या अगले दिन लौटा देंगे,इस प्रकार व्यक्ति सामने वाले को बिना वैरीफाई किये या जाने लालच में आकर, मानसिक रुप से ब्लैकमेल होकर, मित्र या रिश्तेदार के लिये भावनाओं में आकर उनको गूगल पे या अन्य माध्यम से रुपये डाल देते हैं और उसके पश्चात इस डार्क नेट में इतना उलझ जाते हैं, कि कई बार लाखों रुपये साइबर फ्रॉडर को उसके द्वारा उपलब्ध कराये गये खातों व क्यूआर कोड में ऑनलाईन ट्रांसफर कर देते हैं, और साईबर फ्रॉड का शिकार हो जाते हैं,साइबर फ्रॉड से बचने का उपाय यही है कि जागरूक होकर धनराशि डालने से पूर्व घटना कि पूर्ण जानकारी करते हुए संबंधित अज्ञात नंबर को ब्लॉक कर दें औ पुलिस को जानकारी देने के साथ साथ टोलफ्री नंबर 1930 पर अपनी शिकायत दर्ज करा दें,साथ ही कार्यक्रम में मौजूद अध्यापकों, चिकित्सकों को अपने नाबालिग बच्चों को बालिग होने तक वाहन न देने व यातायात नियमों के सम्बन्ध में जागरुक किया गया।

डीएम की पहल से महिला समूहों को मिलेगा बल

मिशन नेशनल न्यूज / शादाब अली

देहरादून। जिलाधिकारी सविन बंसल ने कहा कि स्वयं सहायता समूहों का आजीविका बढाने तथा राज्य के स्थानीय उत्पादों को विपणन हेतु प्लेटफार्म उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आधुनिक आउटलेट/कैफे/ द्धह्यस्टोरेंट खोले जाने की योजना पर कार्य चल रहा है।

आज यहां जिलाधिकारी सविन बसंल ने ऋषिपर्णा सभागार कलेक्ट्रेट में प्रेस वार्ता करते हुए बताया कि जनपद में स्वयं सहायता समूहों का आजीविका बढाने तथा राज्य के स्थानीय उत्पादों को विपणन हेतु प्लेटफार्म उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आधुनिक आउटलेटध्कैफेध्रेस्टोरेंट खोले जाने की योजना पर कार्य चल रहा है। शुरूआती चरण में ०4 स्थानों कचहरी परिसर, सुद्धोवाला (पंचायतघर के निकट), कोरोनेशन हास्पिटल, गुच्चुपानी में जल्द ही आधुनिक आउटलेट/कैफे/ द्धह्यस्टोरेंट खोंले जाएंगी जिसके लिए तैयारी की जा रही है। इन आउटलेट के खुलने से जहां जनमानस को जहां पौष्टिक भोजन एवं आर्गेनिक उत्पाद मिलेंगे, वहीं महिला स्वंय सहायता समूहों को रोजगार के साथ ही उनके उत्पादों को विपणन की सुविधा हेतु उचित प्लेटफार्म मिलेगा। कोरोनेशन चिकित्सालय में जहां आने वाले तीमारदारों को सुविधा मिलेंगी वहीं कलेक्ट्रेट परिसर में एक आधुनिक आउटलेट बनने से लोगों को स्थानीय उत्पाद मिलेंगे तथा चिकत्सालय एवं कचहरी परिसर में आने वाले जनमानस को सहुलियत होगी। वहीं सुद्धोवाला में आउटलेट एवं कैन्टीन खुलने से पयर्टकों को सुविधा मिलेगी वहीं हमारे राज्य के उत्पादों को

के विपणन में सुविधा के साथ ही उचित बाजार मिल पाएगा। डीएम सविन बसंल ने नैनीताल में जिलाधिकारी रहते बनाए गए थे आधुनिक किचन। गुच्चु पानी पर्यटन स्थल एक आउटलेट खोली जा रही है जो कि पर्यटन के लिहाज से महत्वपूर्ण हैं, देश के विभिन्न राज्यों, से पर्यटक आते हैं उनको पहाड़ी व्यंजन तथा आर्गेनिनक पहाड़ी उत्पाद मिलेंगे, जिससे राज्य के स्थानीय पहाड़ी उत्पादों को बाजार मिलेगा तथा स्वयं सहायता समूहों की आर्थिकी मजबूत होगी। मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह ने जानकारी देते हुए बताया कि जिलाधिकारी के के आइडिया पर एनआरएलएम से स्वयंसहायता समूहों की आजीविका बढाने के लिए निर्णय लिया गया है। बताया कि ०4 स्थानों कचरही परिसर, सुद्धोवाला (पंचायतघर के निकट), कोरोनेशन हास्पिटल, गुच्चुपानी में यह कार्य शुरू किया जा है।

सीएम योगी का बड़ा बयान, कहा- उपचुनाव में जीत PM मोदी पर जनता के अटूट विश्वास की मुहर

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश विधानसभा की नौ सीटों पर हुए उपचुनाव में शनिवार को भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के उम्मीदवारों की जीत को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सफल नेतृत्व और मार्गदर्शन में लोगों की...

लखनऊ : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश विधानसभा की नौ सीटों पर हुए उपचुनाव में शनिवार को भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के उम्मीदवारों की जीत को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सफल नेतृत्व और मार्गदर्शन में लोगों की अटूट आस्था का प्रमाण बताया।

'बीजेपी की जीत पीएम पर जनता का अटूट विश्वास'

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ह्यएक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ह्लउत्तर प्रदेश में विधानसभा उपचुनावों में भाजपा-राजग की विजय आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के यशस्वी नेतृत्व एवं मार्गदर्शन पर जनता-जनार्दन के अटूट विश्वास की मुहर है।ह्व योगी ने कहा, ह्लये जीत ह्यडबल इंजन' सरकार की सु-रक्षा-सुशासन एवं जनकल्याणकारी नीतियों तथा समर्पित कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम का सुफल है।ह्व

योगी ने ह्यबंटेंगे तो कटेंगे' नारा दोहराया

उन्होंने ह्यबंटेंगे तो कटेंगे' नारा दोहराते हुए कहा, ह्लउत्तर प्रदेश में सुशासन और विकास को अपना मत देने वाले सम्मानित

मतदाताओं का आभार एवं सभी विजयी प्रत्याशियों को हार्दिक बधाई! ह्यबंटेंगे तो कटेंगे'। एक रहेंगे-सेफ रहेंगे।ह्व गौरतलब है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चुनाव प्रचार के दौरान ह्यबंटेंगे तो कटेंगे' का नारा दिया था, जिसे लेकर विपक्ष ने जमकर हंगामा किया लेकिन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने इस नारे का समर्थन किया था।

सीएम ने महाराष्ट्र चुनाव के लिए भी दी बधाई

मुख्यमंत्री ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में राजग को मिली सफलता पर भी खुशी जाहिर करते हुए ह्यएक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ह्लमहाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2024 में भाजपा-महायुति को मिली ऐतिहासिक विजय की हार्दिक बधाई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में सुरक्षा, समृद्धि एवं सुशासन पर जनता-जनार्दन का आशीर्वाद है।ह्व उन्होंने आगे कहा, ह्लमहाराष्ट्र की इस ऐतिहासिक विजय के लिए भाजपा के सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को हार्दिक बधाई तथा जनता-जनार्दन का अभिनंदन। एक हैं तो सेफ हैं।ह्व

यूपी में फिर चला सीएम योगी का जादू, भाजपा ने लहराया 7 सीटों पर भगवा

उत्तर प्रदेश की 9 विधानसभा सीटों पर मतगणना लगभग समाप्त हो चुका गया है, उत्तर प्रदेश की 9 विधानसभा सीटों में सात सीटे बीजेपी के खाते में गई गई है जबकि सपा के खाते में सिर्फ दो सीटों पर जीत मिली है। समाजवादी करहल और कानपुर की सीसामऊ विधानसभा सीट जीत...

उत्तर प्रदेश की 9 विधानसभा सीटों पर मतगणना लगभग समाप्त हो चुका गया है, उत्तर प्रदेश की 9 विधानसभा सीटों में सात सीटे बीजेपी के खाते में गई गई है जबकि सपा के खाते में सिर्फ दो सीटों पर जीत मिली है। समाजवादी करहल और कानपुर की सीसामऊ विधानसभा सीट जीत दर्ज की है।

शाम 4 बजे तक अपडेट

- करहल सीट पर सपा उम्मीदवार तेज प्रताप सिंह ने 14704 वोट से जीत की दर्ज - फूलपुर विधानसभा सीट से बीजेपी प्रत्याशी ने दीपक पटेल ने जीत दर्ज की है। हालांकि अभी तक औपचारिक ऐलान बाकी है। - खैर विधानसभा सीट से भारतीय

जनता पार्टी के प्रत्याशी 38251 वोट से जीत की दर्ज - गाजियाबाद सदर विधानसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी संजीव शर्मा 70000 से अधिक मतों से जीत की दर्ज

2 बजे तक का अपेडट

- करहल समाजवादी पार्टी प्रत्याशी तेज प्रताप सिंह19842 वोट से आगे - खैर विधानसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी सुरेन्दर दिलेर 34794 वोट से आगे - मीरापुर सीट से राष्ट्रीय लोक दल से प्रत्याशी मिथलेश पाल 22669 वोट से आगे

बदायूं जेल पहुंचे कॉमेडियन राजपाल यादव, कैदी नंबर 184 से है खास रिश्ता, जानें क्या है कारण

बॉलीवुड की तमाम फिल्मों में अपनी एक्टिंग और कॉमेडी से जलवा बिखेरने वाले राजपाल यादव पड़ोसी जिले शाहजहांपुर के रहने वाले हैं। लेकिन आज वह बदायूं के जिला कारागार किसी खास इंसान से मिलने पहुंचे। राजपाल की सुरक्षा में तमाम पुलिस पदाधिकारी बदायूं जेल के...

बदायूं (राहुल सक्सेना): बॉलीवुड की तमाम फिल्मों में अपनी एक्टिंग और कॉमेडी से जलवा बिखेरने वाले राजपाल यादव पड़ोसी जिले शाहजहांपुर के रहने वाले हैं। लेकिन आज वह बदायूं के जिला कारागार किसी खास इंसान से मिलने पहुंचे। राजपाल की सुरक्षा में तमाम पुलिस पदाधिकारी बदायूं जेल के बाहर तैनात किए गए थे। बता दें कि एक्टर के वहां पहुंचते ही पुलिसकर्मियों में सेल्फी की होड़ मच गई।

कौन है कैदी नंबर ह्य184ह्ल

मशहूर फिल्म अभिनेता और कॉमेडियन राजपाल यादव आज जिला कारागार बदायूं पहुंचे। वह यहां जेल में बंद कैदी नंबर ह्य184ह्ल बिल्सी के पूर्व विधायक योगेंद्र सागर से मुलाकात करने आए थे। आपको बता दें राजपाल यादव के पारिवारिक रिश्ते बिल्सी के पूर्व विधायक योगेंद्र सागर के परिवार से हैं। पूर्व विधायक योगेंद्र सागर यौन शोषण के मामले में काफी समय से जिला कारागार बदायूं में बंद हैं। आज राजपाल यादव यहां उनसे मिलने आए थे। राजपाल यादव दिल्ली से कार द्वारा बदायूं जिला कारागार पहुंचे।

'सभी कलाकार हमारे जिगर के टुकड़े हैं'

पूर्व विधायक से मुलाकात के बाद राजपाल यादव ने मीडिया से बात की और बताया कि जब से वह फिल्म इंडस्ट्री में आए हैं तब से तकरीबन हर साल उनकी 10 फिल्में रिलीज होती हैं। उन्होंने मजाकिया लहजे में कहा इससे ज्यादा क्या चाहिए और क्या बच्चे की जान लोगे। मशहूर कॉमेडियन ने मीडिया से आगे बात करते हुए कहा कि ईस्ट वेस्ट नॉर्थ साउथ सारी जगह के कलाकार हमारे जिगर के टुकड़े हैं। यहाँ आने के उद्देश्य पर उन्होंने कहा सागर परिवार से हमारे पुराने रिश्ते हैं। हमारे गांव में विश्व कल्याण के लिए यज्ञ हो रहा है। इसी वजह से यहाँ आया था। पुराने रिश्तों की वजह से सागर जी से मिलने आया हूँ।

महाकुंभ 2025: देश-विदेश में रोड शो आयोजित करेगी यूपी सरकार, 220 वाहनों की खरीद का रास्ता साफ

लखनऊ: उत्तर प्रदेश सरकार ने महाकुम्भ-2025 के लिए देश-विदेश में भव्य रोड शो आयोजित करने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में आयोजित हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में कई...

लखनऊ: उत्तर प्रदेश सरकार ने महाकुम्भ-2025 के लिए देश-विदेश में भव्य रोड शो आयोजित करने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में आयोजित हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में कई अहम प्रस्तावों को मंजूरी दी गई है। इनमें महाकुम्भ-2025 के लिए देश के तमाम बड़े शहरों और विदेशों में भव्य रोड शो के आयोजन के प्रस्ताव को सरकार ने मंजूर कर लिया है। इसके अलावा महाकुम्भ के लिए 220 वाहनों की खरीद का रास्ता भी साफ हो गया है।

13 जनवरी से 26 फरवरी तक होगा महाकुंभ

बता दें कि 13 जनवरी से 26 फरवरी तक प्रयागराज में भव्य महाकुम्भ का आयोजन हो रहा है। सनातन धर्म के इस सबसे बड़े उत्सव को भव्य बनाने को लेकर उप्र सरकार मिशन मोड में जुटी हुई है। लोकभवन में शुक्रवार को कैबिनेट मंत्री ए के शर्मा ने बताया कि 13 जनवरी से 26 फरवरी तक प्रयागराज में भव्य महाकुम्भ का आयोजन हो रहा है। उन्होंने बताया कि भारत की सनातन संस्कृति का प्रचार-प्रसार भारत और भारत के बाहर अनेक देशों में किये जाने का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा सुझाव दिया गया था। इसके अंतर्गत देश के विभिन्न बड़े शहरों और विदेशों में भी मंत्रीगणों के

नेतृत्व में रोड शो का आयोजन होगा।

रोड शो का खर्च भी नगर विकास विभाग वहन करेगा

मंत्री ए के शर्मा ने बताया कि भारत के अंदर नयी दिल्ली, मुंबई, पुणे, जयपुर, हैदराबाद, तिरुवनंतपुरम, अहमदाबाद, चेन्नई, कोलकाता, बेंगलुरु, गुवाहाटी, देहरादून, भोपाल, चंडीगढ़ और पटना जैसे शहरों में रोड शो का आयोजन होगा। वहीं विदेश में नेपाल, थाईलैंड, इंडोनेशिया और मॉरीशस के साथ ही अन्य राष्ट्रों में भी रोड शो आयोजित होगा। रोड शो का खर्च भी नगर विकास विभाग वहन करेगा। प्रत्येक शहर में रोड शो पर 20 से 25 लाख रुपए का खर्च आएगा। भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की) और कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (सीआईआई) को इस रोड शो में पार्टनर बनाया जाएगा। महाकुम्भ के लिए सरकार ने 220 वाहन खरीदने का फैसला लिया है। इसके लिए 27.48 करोड़ रुपए

हरदोई: चर्चित सड़क घोटाला मामले में फैसला आज, पीडब्ल्यूडी के 7 अफसरों पर गाज गिरा सकती है योगी सरकार

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज पीडब्ल्यूडी के सात अधिकारियों पर अपनी गाज गिरा सकते हैं। हरदोई के चर्चित सड़क घोटाला मामले में सीएम योगी आज अपना फैसला सुनाने वाले हैं। दरअसल, करोड़ों रुपये के सड़क घोटाले में पीडब्ल्यूडी के सात इंजीनियर...

हरदोई : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज पीडब्ल्यूडी के सात अधिकारियों पर अपनी गाज गिरा सकते हैं। हरदोई के चर्चित सड़क घोटाला मामले में सीएम योगी आज अपना फैसला सुनाने वाले हैं। दर-असल, करोड़ों रुपये के सड़क घोटाले में पीडब्ल्यूडी के सात इंजीनियर दोषी पाए गए थे। इस जांच के आदेश खुद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिए थे। जांच के दौरान निर्माण की बेहद घटिया सामग्री प्राप्त हुई थी। बता दें कि जांच प्रमुख सचिव, पीडब्ल्यूडी अजय चौहान की अध्यक्षता में की गई थी। जांच के दौरान पीडब्ल्यूडी के सात अधिकारी दोषी पाए गए थे। यहां सड़कों को तैयार करने के लिए लगाई गई निर्माण सामग्री बिल्कुल अच्छी नहीं थी। चार सड़कों की नमूना जांच जब की गई तो उसमें तारकोल भी मानक से काफी कम मिला। विशेष मरम्मत के एस्टीमेट भी गड़बड़ भेजे गए थे। इसी के चलते दोषी पाए गए सभी अधिकारी आज सस्पेंड हो सकते हैं। उन्हें निलंबित करने का निर्णय ले लिया गया

है। सिर्फ औपचारिक आदेश जारी होना बाकी है। मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने शुक्रवार को 2023 बैच के 20 प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारियों से मुलाकात की। मनोज कुमार सिंह ने अधिकारियों को उनकी उप्लब्धि के लिए बधाई दी। इसके साथ ही उन्होंने यूपी पुलिस की तारीफ करते हुए कहा कि यह पुलिस बल देश का सबसे बड़ा पुलिस बल है। यूपी पुलिस बल नवीनतम टेक्नोलॉजी से लैस है। उन्होंने आगे कहा कि आज इंटरनेट और सोशल मीडिया होने के कारण चीजें पल भर में वायरल हो जाती हैं और अपराध के तरीके में बदलाव आया है। ऐसी स्थिति से निपटने के लिए उन्हें नवीनतम टेक्नोलॉजी को लेकर अपग्रेड रहना होगा।

करहल में जीत की ओर सपा प्रत्याशी; तेज प्रताप लगातार चल रहे अनुजेश से आगे

मैनपुरी: उत्तर प्रदेश की नौ विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव की आज जारी मतगणना में समाजवादी पार्टी का गढ मानी जाने वाली मैनपुरी की करहल सीट पर इतिहास ही दोहराता नजर आ रहा...

मैनपुरी: उत्तर प्रदेश की नौ विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव की आज जारी मतगणना में समाजवादी पार्टी का गढ मानी जाने वाली मैनपुरी की करहल सीट पर इतिहास ही दोहराता नजर आ रहा है। इस सीट से सपा उम्मीदवार तेज प्रताप सिंह पहले राउंड से ही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उम्मीदवार अनुजेश यादव से आगे चल रहे हैं। इस सीट पर चुनाव दंगल में यादव परिवार के ही दो उम्मीदवार आमने सामने हैं। यह सीट सपा प्रमुख अखिलेश यादव के सांसद निर्वाचित होने के कारण रिक्त हुई थी। इस सीट पर भाजपा ने इस बार सैफई परिवार के ही सगे संबंधी अनुजेश सिंह को चुनाव मैदान में उतारा है जहां उनका मुकाबला अखिलेश यादव के भतीजे तेजप्रताप यादव से है।यह सीट दोनों पाटियों के बीच नाक का सवाल बनी हुई है लेकिन फिलहाल स्थिति सपा के लिए अधिक सकारात्मक नजर आ रही है। पहले राउंड की मतगणना में सपा के तेज प्रताप को 5867 वोट मिले तो भाजपा के अनुजेश प्रताप को

1289 वोट मिले । पहले ही दौर से भाजपा उम्मीदवार से आगे रहने के बाद तेजप्रताप को कभी कोई परेशानी नहीं दिखी क्योंकि हर दौर की मतगणना में उनकी बढ़त बादस्तूर जारी रही। यह बढत 15 वें दौर की मतगणना में भी जारी है इस दौर में भी तेज प्रताप 21939 मतों से आगे चल रहे हैं। तेजप्रताप को जहां 55436 मत मिले वहीं बीजेपी के अनुजेश यादव को 33497 मतों से ही संतोष करना पड़ा। इस तरह तेजप्रताप ने जो बढत बनायी है वह 15वें दौर तक बादस्तूर जारी है। आगे के दौरों में यदि यह ट्रेंड चलता रहा तो एक बार फिर यह सीट आम जनता के आशीर्वाद के साथ सपा के हाथ में ही रहेगी।

जायसवाल-राहुल के नाबाद अर्धशतक, भारत की पकड़ मजबूत

पर्थ

कप्तान जसप्रीत बुमराह 30 रन पर 5 विकेट की बेहतरीन गेंदबाजी के बाद यशस्वी जायसवाल (नाबाद 90) और केएल राहुल (नाबाद 62) के शानदार अर्धशतकों की बदौलत भारत ने पहले टेस्ट मैच में दूसरे दिन पकड़ मजबूत कर ली। भारत ने अपनी दूसरी पारी में बिना कोई विकेट खोए 172 रन बनाकर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शनिवार को कुल 218 रनों की बढ़त ले ली। भारत ने पहली पारी में 46 रन की बढ़त हासिल की थी। सुबह ऑस्ट्रेलिया को 104 रन पर समेटने के बाद भारतीय ओपनर्स ने शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया और ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों को विकेट के लिए तरसा दिया। जायसवाल ने 193 गेंदों पर 90 रन में 7 चौके और 2 छक्के लगाए हैं, जबकि राहुल ने 153 गेंदों पर 62 रन में 4 चौके लगाए हैं। दोनों बल्लेबाजों ने काफी सतर्कता के साथ बल्लेबाजी की और 3.01 के रन रेट से रन बनाए। दोनों ने 57 ओवर में 172 रन की अविजित साझेदारी की है। पहली पारी में जायसवाल शून्य और राहुल 26 रन बनाकर आउट हुए थे, लेकिन दूसरी पारी में उन्होंने साहसिक बल्लेबाजी की। भारत ने अब तक मैच में अपना दबदबा बनाए रखा है। पहले दिन जहां गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया, वहीं दूसरे दिन बल्लेबाजों ने अपनी भूमिका निभाई। इससे पहले, ऑस्ट्रेलिया ने शुक्रवार के सात विकेट पर 67 रन से आगे खेलना शुरू किया। ऑस्ट्रेलिया ने दो विकेट जल्दी ही गंवा दिए और उसका स्कोर नौ विकेट पर 79 रन हो गया।

बुमराह ने 11वीं बार लिए पांच विकेट

बुमराह ने 11वीं बार अपने टेस्ट करियर में एक पारी में 5 विकेट हासिल किए। बुमराह ने एलेक्स कैरी को विकेटकीपर ऋषभ पंत के हाथों कैच कराया। कैरी ने 21 रन बनाये। बुमराह का यह पांचवां विकेट था। उन्होंने शुक्रवार को चार विकेट लिए थे। हर्षित राणा ने नाथन लियोन को स्लिप में केएल राहुल के हाथों कैच कराकर ऑस्ट्रेलिया का नौवां विकेट झटका। लेकिन इसके बाद मिचेल स्टार्क और जोश हेजलवुड ने आखिरी विकेट के लिए 25 रन की साझेदारी कर मेजबान टीम को 100 के पार पहुंचाया। राणा ने स्टार्क को पंत के हाथों लपकवा कर ऑस्ट्रेलिया की पारी 104 रनों पर समेट दी। स्टार्क ने 112 गेंदों पर उपयोगी 26 रन बनाए, जो उनकी टीम की तरफ से सर्वाधिक स्कोर रहा। हेजलवुड सात रन पर नाबाद रहे। भारत की तरफ से मोहम्मद सिराज को 20 रन पर दो विकेट और राणा को 48 रन पर तीन विकेट मिले।

एंडरसन पहली बार आईपीएल नीलामी में उतरेंगे

लंदन

इंग्लैंड के अनुभवी तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन ने कहा है कि वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के जरिये खेल को लेकर अपना ज्ञान बढ़ाना चाहते हैं। इसीलिए उन्होंने पहली बार आईपीएल मेगा नीलामी के लिए पंजीकरण कराया है। एंडरसन ने इस साल की शुरूआत में ही टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी थी। उन्होंने अपना अंतिम अंतिम टी20 मैच 2014 में खेला था। वह आईपीएल में कभी नहीं खेले हैं। इस प्रकार वह करीब एक दशक के बाद कोई टी20 मैच खेलेंगे। आईपीएल मेगा नीलामी 24 और 25 नवंबर को जेद्दा में होगी। इसके लिए एंडरसन ने अपना आधार मूल्य 1.25 करोड़ रुपए रखा है।

एंडरसन ने इंग्लैंड के लिए 188 मैच में 704 विकेट लिए। इससे वह श्रीलंका के मुथैया मुरलीधरन 800 और ऑस्ट्रेलिया के दिग्गजर स्पिनर शेन वार्न 708 के बाद तीसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। एंडरसन ने कहा, ह्यमेरे अंदर अब भी कुछ ऐसा है जिसे लगता है कि मैं अब भी खेल सकता हूं। मैंने कभी आईपीएल नहीं खेला है। मैंने कभी इसका अनुभव नहीं किया है और कई कारणों से मुझे लगता है कि एक खिलाड़ी के तौर पर मेरे पास देने के लिए बहुत कुछ है।

उन्होंने कहा कि विश्व की सबसे बड़ी टी20 लीग में खेलकर वह केवल एक गेंदबाज के तौर पर अपना ज्ञान ही नहीं बढ़ाना चाहते बल्कि

बतौर कोच और अनुभव और ज्ञान हासिल करना चाहते हैं। इस तेज गेंदबाज ने कहा, ह्यह्यमैंने गर्मियों में अपना करियर खत्म करने के बाद से ही कुछ समय कोचिंग भी की है। मैं इंग्लैंड की टीम के साथ थोड़ा बहुत ह्यमेंटोर के तौर पर भी काम कर रहा हूं। उन्होंने कहा, ह्यमुझे लगता है कि इस तरह की लीग में खेलने और उसका अनुभव हासिल करने से शायद मुझे खेल के बारे में अपना ज्ञान बढ़ाने में मदद मिले जिससे आगे चलकर मुझे और लाभ मिलेगा।

अर्शदीप बन सकते हैं सबसे महंगे गेंदबाज : चोपड़ा

नई दिल्ली

भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाज आकाश चोपड़ा ने बाएं हाथ के युवा तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह की जमकर प्रशंसा की है। चोपड़ा ने कहा है कि अर्शदीप को इस बार आईपीएल 2025 के लिए होने वाली मेगा नीलामी में 18 से 20 करोड़ रुपए की मोटी रकम मिल सकती है। ऐसे में वह सबसे महंगे गेंदबाज बन जाएंगे। अर्शदीप ने भारतीय टीम की ओर से अबतक टी20 मुकाबलों में 95 विकेट लिए हैं। उन्होंने साल 2019 के बाद से पंजाब किंग्स की ओर से 65 मैचों में 76 विकेट लिए हैं। इस बार पंजाब किंग्स ने नीलामी से पहले ही उन्हें रिलीज कर दिया था। ऐसे में 24 और 25 नवंबर को जेद्दा में होने वाली नीलामी के दौरान अर्शदीप पर सभी 10 टीमें बोली लगा सकती हैं। चोपड़ा ने कहा कि इससे अर्शदीप को 18 से 20 करोड़ मिल सकते हैं, जिससे वह नीलामी में सबसे महंगे गेंदबाज बन जाएंगे। दबाव में वह शानदार गेंदबाजी करते हैं और यही उनका सकारात्मक पक्ष है। वहीं पूर्व क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा का मानना है कि अर्शदीप को 10-15 करोड़ की रकम मिल सकती है। उन्हें यह भी लगता है कि ट्रेंट बोल्ट और हर्षल पटेल के लिए सभी 10 टीमें बोली लगाएंगी। उन्होंने कहा कि बोल्ट नई गेंद से उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हैं, लेकिन हर्षल एक भारतीय हैं और पुरानी गेंद से खेलने का कौशल उन्हें आईपीएल में मूल्यवान खिलाड़ी बनाता है।उथप्पा का मानना है कि पंजाब किंग्स के साथ आईपीएल 2024 सीजन में कमजोर प्रदर्शन के बाद भी तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर सैम कुरेन पर नीलामी में मोटी रकम लगेगी। कुरेन को लेने के लिए केकेआर और आरआर जैसी टीमें भी बोली लगा सकती हैं।

पीसीबी ने अजहर को बनाया युवा विकास प्रमुख

लाहौर

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने पूर्व कप्तान अजहर अली को युवा विकास प्रमुख बनाया है। अजहर अभी पुरुषों की राष्ट्रीय चयन समिति के सदस्य भी हैं। पीसीबी के अनुसार इसी के साथ ही अजहर की जिम्मेदारियां और भी बढ़ जाएंगी। अजहर ने सीनियर राष्ट्रीय टीम में आगे बढ़ने से पहले साल 2002 में आईसीसी अंडर-19 क्रिकेट विश्व कप में अपने करियर को शुरू किया था। साल 2010 और 2022 के बीच उन्होंने 97 टेस्ट और 53 एकदिवसीय मैच खेले हैं। इसमें 9 टेस्ट और 31 एकदिवीय में वह पाक के कप्तान रहे थे। वह 2017 में पाकिस्तान की ऐतिहासिक आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीतने वाली टीम के भी अहम सदस्य थे।

वहीं अब युवा विकास के प्रमुख के तौर पर अजहर को व्यापक युवा क्रिकेट रणनीतियों को डिजाइन और लागू करके, मजबूत जमीनी स्तर पर क्रिकेट संरचना और प्रतिभा मार्ग स्थापित करके, आयु-समूह कार्यक्रमों को मजबूत करने के लिए

क्षेत्रीय क्रिकेट संघों के साथ सहयोग करके, पीसीबी के पाथवे कार्यक्रम के तहत उभरते क्रिकेटरों को शिक्षित करके और महत्वाकांक्षी खिलाड़ियों के लिए मैदान के बाहर विकास की अनिवार्यताओं के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए सेमिनार और क्लीनिक आयोजित करके पाकिस्तान क्रिकेट के भविष्य को आकार देने का काम सौंपा गया है।

अजहर ने ये जिम्मेदारी मिलने पर कहा, मैं इस अहम भूमिका को निभाने को लेकर सम्मानित अनुभव कर रहा हूं और उत्साहित हूं। आयु-समूह रैंकों में आगे बढ़ने और व्यापक क्लब और घरेलू क्रिकेट खेलने के बाद मैं भविष्य के सितारों को आकार देने में जमीनी स्तर के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका को समझता हूं। इस क्षेत्र में पहले से ही महत्वपूर्ण प्रगति की गई है और मैं अपने सहयोगियों के साथ मिलकर हमारे युवा विकास कार्यक्रम को और आगे बढ़ाने के लिए काम करने के लिए उत्सुक हूं। हमारा लक्ष्य होनहार प्रतिभाओं की पहचान कर उसे आगे बढ़ाना है।

भारत में विरासत, संस्कृति और लैंडस्केप बेहतरीनः सारा अली

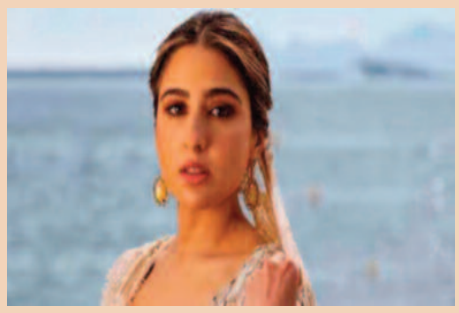

मुंबई

एक्ट्रेस सारा अली खान का कहना है कि भारत देश की विरासत, संस्कृति और लैंडस्केप से बेहतर दुनिया में कुछ भी नहीं है। एक इंटरव्यू में सारा अली खान ने अपनी पसंद और भारत को लेकर विचार रखे। यह पूछे जाने पर कि उन्हें देश में या विदेश में से क्या ज्यादा पसंद है? सारा ने कहा, दोनों, मैं किसी एक को नहीं चुन सकती। मुझे विदेश में घूमना पसंद है, लेकिन भारत में विरासत, संस्कृति और लैंडस्केप बेहतरीन है और मैं इसकी और खोज करना चाहूंगी। सारा अली खान निश्चित रूप से पहाड़ों में घूमना बहुत पसंद करती हैं। उनका सोशल मीडिया अकाउंट इस बात का सबूत है, जहां वह अक्सर उत्तराखंड में केदारनाथ की यात्रा करते हुए अपनी तस्वीरें और वीडियो पोस्ट करती हैं। सारा अली खान ने कहा, ह्यवैसे मुझे समुद्र पसंद है, मुझे लगता है कि हर कोई जो मुझे जानता है, वह जानता है कि मुझे पहाड़ पसंद हैं। 29 वर्षीय एक्ट्रेस ने उत्तराखंड के प्रति अपने प्यार को जाहिर करने में कोई संकोच नहीं करतीं और उन्होंने कहा कि अगर वह चाहें तो अपना सारा समय केदारनाथ में बिता सकती हैं। उन्होंने कहा, ह्ययह (केदारनाथ) मेरे लिए बहुत खास जगह है, अगर मैं कर सकती तो अपना सारा समय यहीं बिताती।यह पूछे जाने पर कि क्या वह यात्रा करते समय बजट में ठहरना पसंद करती हैं या लग्जरी होटल में? सारा ने कहा कि, यह किसी डेस्टिनेशन को स्थानीय लोगों के नजरिए से देखने का सबसे अच्छा तरीका है, और पैसे के लिए लिहाज से भी सही है, खासकर तब जब आप दोस्तों या परिवार के साथ यात्रा कर रहे हों। सारा अली खान ने कहा है कि वह लग्जरी के बजाय बेसिक रहना पसंद करती हैं, जो उन्हें हिंदी सिनेमा में सबसे भरोसेमंद सितारों में से एक बनाता है। यह पूछे जाने पर कि वह यह सब कहां से सीखती हैं? उन्होंने कहा, मुझे हमेशा से ही जमीन से जुड़े रहना सिखाया गया है। मेरी मां भी ऐसी ही हैं और उन्होंने ही मेरा मार्गदर्शन किया है। फिल्म सेट पर रहना, वर्कआउट करना और अपने परिवार और दोस्तों के साथ समय बिताना, हमेशा मुझे सबसे सरल खुशियां देता है। इतना ट्रैवल और काम के बावजूद खुद को संयमित रखना, शरीर का ख्याल रखना आसान नहीं होता है, लेकिन सारा के लिए ये नामुमकिन नहीं है। वह कहती हैं, ह्ययह सबसे आसान नहीं है, ऐसे दिन भी होते हैं जब मैं शूटिंग शेड्यूल या व्यस्त यात्रा के बाद बिस्तर पर ही सो जाना चाहती हूं। लेकिन मेरे लिए जो बेहद जरूरी है वह है समय निकालना, चाहे वह कितना भी लंबा क्यों न हो।

पत्नी से अलगाव तोड़ कर रख देने वाला कदमः रहमान

मुंबई

बालीवुड के मशहूर संगीतकार ए.आर. रहमान और उनकी पत्नी सायरा बानो ने अलग होने का निर्णय लिया है। इस अलगाव को लेकर ए.आर. रहमान ने एक भावुक नोट साझा किया। रहमान ने नोट में इसे तोड़ कर रख देने वाला कदम बताया। रहमान ने लिखा, हमें उम्मीद थी कि हम तीस साल साथ रहेंगे, लेकिन ऐसा लगता है कि हर चीज का एक अदृश्य अंत होता है। टूटे हुए दिलों के वजन से ऊपर वाला सिंहासन भी कांप सकता है। फिर भी, इस बिखराव में, हम अर्थ की तलाश करते हैं, भले ही टुकड़ों को फिर से अपनी जगह न मिले। रहमान ने अपने रिश्ते के अंत के बारे में बात करते हुए यह भी कहा, हमारे दोस्तों, आपके प्यार और इस नाजुक अध्याय से गुजरते हुए हमारी निजता का सम्मान करने के लिए धन्यवाद। यह खबर 19 नवंबर को सामने आई, जब सायरा ने तलाक के बारे में एक बयान जारी किया, जिसमें उन्होंने भावनात्मक तनाव को इसके कारण के रूप में बताया। सायरा की वकील, वंदना शाह ने इस संबंध में एक आधिकारिक बयान जारी किया, जिसमें कहा गया, कई वर्षों की शादी के बाद, सायरा ने अपने पति ए.आर. रहमान से अलग होने का कठिन निर्णय लिया है। यह निर्णय उनके रिश्ते में बढ़े हुए भावनात्मक तनाव के बाद लिया गया है। एक-दूसरे के प्रति गहरे प्यार के बावजूद,

उन्होंने महसूस किया कि तनाव और कठिनाइयों ने उनके बीच एक खाई बना दी है, जिसे पाटना संभव नहीं था। वकील ने यह भी कहा कि सायरा ने यह निर्णय अपनी दर्दनाक स्थिति के कारण लिया और इस समय जनता से उनकी निजता का सम्मान करने की अपील की। रहमान और सायरा की शादी 1995 में अरेंज मैरिज के रूप में हुई थी, और उनके तीन बच्चे हैं– खतीजा, रहीमा और अमीन। इस कठिन समय में, रहमान के बेटे ए.आर. अमीन ने भी इंस्टाग्राम पर एक संदेश शेयर किया, जिसमें उन्होंने सभी से परिवार की निजता का सम्मान करने की अपील की।

कंगना ने आर्यन खान के काम की तारीफ

मुंबई

बालीवुड अभिनेता शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान के काम की कंगना रनौत ने सराहना की है। कंगना ने कहा कि यह बहुत अच्छा है कि वह पारंपरिक रास्ते से हटकर अपनी अलग पहचान बनाने की कोशिश कर रहे हैं। हाल ही मे घोषणा की गई कि आर्यन खान एक स्ट्रीमिंग सीरीज का निर्देशन करेंगे, जिसे लेकर कंगना ने सोशल मीडिया पर अपने विचार व्यक्त किए। कंगना ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी सेक्शन में एक पोस्ट शेयर करते हुए कहा, यह बहुत अच्छा है कि फिल्मी परिवारों के बच्चे अब सिर्फ मेकअप करने, वजन कम करने और अभिनेता बनने की चाहत से आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, हमें भारतीय सिनेमा के मानकों को ऊपर उठाने की जरूरत है, और जिनके पास संसाधन होते हैं, वे अक्सर आसान रास्ते अपनाते हैं। हमें कैमरों के पीछे और अधिक लोगों की जरूरत है, और यह अच्छा है कि आर्यन खान परंपरागत

रास्ते से हटकर अपनी अलग पहचान बनाने की कोशिश कर रहे हैं। उनके लेखक और फिल्म निमार्ता के रूप में डेब्यू का बेसब्री से इंतजार है।आर्यन खान के निर्देशन में बनने वाली पहली फिल्म एक मल्टी-जॉनर प्रोजेक्ट है, जो बी-टाउन की गलियों में घूमने वाले एक महत्वाकांक्षी बाहरी व्यक्ति के रोमांच के माध्यम से सिनेमा पर एक अनफिल्टर्ड नजरिया पेश करता है। यह सीरीज 2025 में नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। इस प्रोजेक्ट से पहले, नेटफ्लिक्स और रेड चिलीज एंटरटेनमेंट ने मिलकर छह सफल प्रोजेक्ट्स पूरे किए हैं। इस सीरीज का निर्माण आर्यन की मां गौरी खान ने किया है, और इसमें शाहरुख खान की पूरी परिवार का योगदान है।

विशेष सूचना

आज से समाचार पत्रा में वही संवाददाता वैध रहेंगे जिनके नाम प्रेस लाईन के ऊपर बने बॉक्स में दशार्ये गये हैं।

समाचार व विज्ञापनों के लिए सम्पर्क करें।

सारिका
डेक्स एडिटर
7500992656

नाथीराम कश्यप
विशेष संवाददाता, लक्सर
9411119095

शादाब अली
देहरादून
मो. 9897139325

शमशाद अहमद
भगवानपुर

सभी राज्यों में, जिला, तहसील व ब्लॉक, स्तर पर प्रभारी व रिपोर्टर पद हेतू कार्य करने के इच्छुक युवक/युवतियां सम्पर्क करें।

अमित कुमार मंगोलिया
सम्पादक
प्रधन कार्यालय
मिशन नेशनल न्यूज, पुल
जटवाड़ा, घास मण्डी, ज्वालापुर,
हरिद्वार
मो. 9219141431

किसी भी तरह के विवाद का निपटारा हरिद्वार न्यायालय में होगा

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक अमित कुमार ने जय माँ गंगा प्रिन्टर्स, राजराणा कॉम्पलैक्स निकट खाद गोदाम, जमालपुर कलां, ज्वालापुर, हरिद्वार ;उत्तराखण्ड से मुद्रित कराकर, मुख्य कार्यालयः घास मण्डी, वाल्मीकि बस्ती, ज्वालापुर, हरिद्वार पिन 249407 (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया। किसी भी तरह के विवाद का निपटारा हरिद्वार न्यायालय में होगा सम्पादकः अमित कुमार